राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार, 18 सितम्बर 2025

वर्ष 14,अंक 157, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

बिजली कटौती और भारी बिल के खिलाफ किसानों ने किया धरना प्रदर्शन..03

संदिग्ध ऑटो, ई रिक्शा चालकों पर पुलिस की टेढी नजर ..04

हो गई वो बात, जिसका था इंतजार...अब मोदी-ट्रंप की दोस्ती पकड़ेगी रफ्तार, 17 टू 17 फोन कॉल के मायने

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज जन्मदिन है. पीएम मोदी आज यानी 17 सितंबर 2025 को 75 साल के हो गए. पीएम मोदी का बर्थडे भारत और अमेरिका की दोस्ती के लिए एक अवसर लेकर आया है. पीएम मोदी के बर्थडे के कारण भारत-अमेरिका के रिश्तों में पिछले कुछ महीने से जमी बर्फ पिघल गई. जी हां, जिसका सबको इंतजार था, वो घड़ी आ गई. पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच आखिरकार बातचीत हो गई है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें फोन करके बधाई दी।

दरअसल, पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच यह फोन कॉल वाली बातचीत अहम है. कारण कि यह कॉल जून महीने के बाद पहली बार हुई है. इससे पहले 17 जून को दोनों नेताओं ने बातचीत की थी. वह बातचीत काफी तनाव भरा था. कारण था टैरिफ. टैरिफ के कारण मोदी और ट्रंप के बीच 17 जून के बाद कभी बातचीत नहीं हुई. पूरी दुनिया को

इंतजार था कि अब बातचीत का अगला मौका कब आएगा. मगर 17 जून की बातचीत के बाद 17 सितंबर वह अवसर है, जब ट्रंप ने मोदी को फोन घुमाया।

डोनाल्ड ट्रंप और मोदी के बीच बातचीत

डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे एक शानदार काम कर रहे हैं. डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया, 'अभी-अभी अपने मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फ़ोन पर बहुत अच्छी बातचीत हुई. मैंने उन्हें जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं. वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं. 'नरेंद्र- रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्त करने में आपके समर्थन के लिए धन्यवाद.' उन्होंने अपने संदेश ने नीचे राष्ट्रपति डीजेटी लिखा. पीएम मोदी ने भी इस फोन पर जवाब में ट्रंप को धन्यवाद दिया और अपना दोस्त बताया।

दोस्ती को मिला नया पंख

इस कॉल ने भारत-अमेरिका संबंधों को नई गति देने के संकेत दिए हैं, खासकर ऐसे समय में जब वैश्विक चुनौतियां बढ़ रही हैं. यह बातचीत जून के बाद पहली है. पिछली बातचीत 17 जून को हुई थी. अबकी बातचीत 17 सितंबर यानी पीएम मोदी के बर्थडे पर हुई है. अब जब बातचीत का रुका हुआ सिलसिला बर्थडे के बहाने शुरू हुआ है, तो इससे उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत और अमेरिका की दोस्ती वाली गाड़ी अब रफ्तार पकड़ेगी. मोदी और ट्रंप के बीच यह कॉल न केवल व्यक्तिगत संबंधों को दर्शाती है, बल्कि भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक कदम है. वैसे भी टैरिफ विवाद के बाद सबको इसी पल का इंतजार था।

बात तो हुई पर मुलाकात कब?

दरअसल, भारत-अमेरिका संबंधों का इतिहास मजबूत रहा है. डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में 'हाउडी मोदी' और 'नमस्ते ट्रंप' जैसे कार्यक्रमों ने दोनों देशों की दोस्ती को नई ऊंचाई दी थी. मगर दूसरे कार्यकाल में टैरिफ ने रिश्तों की लंका लगा दी. हालांकि, डोनाल्ड ट्रंप को अब अपनी गलती का एहसास है. उन्हें समझ आ गया कि टैरिफ के कारण उनका दोस्त भारत अमेरिका से दूर जा रहा है. यही वजह है कि अब डोनाल्ड ट्रंप ने भी अपने तेवर नरम किए हैं. इसलिए ऐसा लग रहा है कि इस कॉल से भारत-अमेरिका के बीच अब सब कुछ ठीक हो जाएगा. अब जब दोनों नेताओं में फोन पर बातचीत तो हो गई, अब देखने वाली बात है कि मुलाकात कब होती है।

राहुल गांधी के पंजाब दौरे पर गरमाई सियासत, विपक्ष ने साधा निशाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हालिया पंजाब दौरे को लेकर राज्य की सियासत गरमा गई है। अपने दौरे के दौरान, राहुल गांधी ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया और पीड़ितों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से राहत कार्यों में तेजी लाने की भी मांग की। चूंकि राहुल गांधी के पंजाब दौरे से कांग्रेस को कोई राजनीतिक लाभ नहीं मिला, इसलिए अन्य राजनीतिक दलों ने इसे राजनीतिक रंग देना शुरू कर दिया है। शिरोमणि अकाली दल, आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी का दौरा सिर्फ दिखावा था और कांग्रेस जमीनी स्तर पर वास्तविक मदद पहुंचाने में विफल रही है।

अकाली दल के नेताओं ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ सहानुभूति जताकर सुर्खियां बटोर रही है, जबकि प्रभावित परिवार अभी भी सरकारी मदद का इंतजार कर रहे हैं। भाजपा नेताओं ने तो राहुल गांधी को सिरोपा भेंट करने का भी विरोध किया है। उनका आरोप है कि 8 राज्यों में सत्ता में होने के बावजूद, गठबंधन ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए किसी राहत पैकेज की घोषणा नहीं की है। पंजाब के जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने राहुल गांधी के दौरे को राजनीति से प्रेरित बताया है।

राजा वड़िंग और प्रताप सिंह बाजवा बचाव में उतरे

विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा और पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने विपक्षी दलों के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि राहुल गांधी का पंजाब दौरा पूरी तरह से मानवीय दृष्टिकोण से था। विपक्षी दल बाढ़ पीड़ितों की पीड़ा पर राजनीति कर रहे हैं, जबकि राहुल गांधी हमेशा की तरह आम लोगों के बीच गए और उनकी समस्याएं सुनीं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भारत गठबंधन केवल एक चुनावी गठबंधन नहीं है, बल्कि सामाजिक और मानवीय सरोकारों के लिए भी प्रतिबद्ध है और प्रभावित लोगों की मदद के लिए जल्द ही ठोस कदम उठाए जाएंगे।

संक्षिप्त ख़बरें

रांची में खौफनाक वारदात! जमीन विवाद में व्यक्ति का सिर किया धड़ से अलग, अब आरोपी सलाखों के पीछे

झारखंड के रांची जिले में भूमि विवाद को लेकर एक व्यक्ति का कथित रूप से सिर धड़ से अलग करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बताया जा रहा है कि यह घटना शनिवार को तमाड़ थाना क्षेत्र के भुर्सुडीह के जंगल में हुई थी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, "गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान जगदीश स्वांसी (40) और पुरन कुमार स्वांसी (30) के रूप में हुई है, जबकि तीसरा आरोपी हरी मुंडा (35) फरार है।" उन्होंने बताया कि आरोपियों के पास से धारदार हथियार और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। अधिकारी ने कहा कि मृतक के पिता सुरेश स्वांसी द्वारा तमाड़ थाने में दर्ज करायी गयी प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तारियां की गई हैं। उन्होंने बताया कि फरार आरोपी की तलाश जारी है।

निलंबित द्वय विनय चौबे को नहीं मिली राहत, एसीबी कोर्ट ने जमानत देने से किया इनकार

रांची- झारखंड में सेवायत भूमि घोटाले मामले में निलंबित भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी विनय चौबे की जमानत याचिका हजारीबाग की भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो (एसीबी) की विशेष अदालत ने खारिज कर दी है। विनय चौबे पर हजारीबाग के उपायुक्त रहते हुए सेवायत भूमि का दुरुपयोग करने का गंभीर आरोप है। बीते मंगलवार को सुनाए गए फैसले में अदालत ने उन्हें कोई राहत नहीं दी। विनय चौबे के पक्ष में वरिष्ठ अधिवक्ता शंकर बनर्जी ने दलील दी, जबकि एसीबी की ओर से विशेष लोक अभियोजक अभिषेक कृष्ण गुप्ता ने इसका कड़ा विरोध किया। दोनों पक्षों की बहस के बाद अदालत ने 12 सितंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे अब सुनाया गया। यह मामला अगस्त 2025 में दर्ज हुआ था, जिसमें एसीबी ने कांड संख्या 9/2025 के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। इससे पहले, विनय चौबे झारखंड शराब घोटाले में भी आरोपी रह चुके हैं, लेकिन उस केस में चार्जशीट देर से दाखिल होने के कारण उन्हें जमानत मिल गई थी। अब सेवायत भूमि घोटाले में जमानत खारिज होने के कारण विनय चौबे को जेल में ही रहना होगा।

PM मोदी की अपील, सामान वही खरीदें, जिसमें देशवासी का पसीना हो, हर दुकान पर लगाएं स्वदेशी का बोर्ड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धार- मध्यप्रदेश के धार दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि हमें वही सामान खरीदना चाहिए, जिसमें भारतवासियों का पसीना और मेहनत झलकती हो। मोदी ने दुकानदारों से आग्रह किया कि वे अपनी दुकानों पर 'स्वदेशी का बोर्ड' लगाएं, ताकि खरीदारों को भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता देने की प्रेरणा मिले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 75वें जन्मदिन पर बुधवार को मध्यप्रदेश के धार जिले में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 'ये नया भारत है। ये परमाणु धमकी से नहीं डरता, घर में घुसकर मारता है।' पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे जवानों ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया।

पीएम मित्र पार्क की रखी आधारशिला

धार जिले के भैंसोला गांव में पीएम मोदी ने पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखी। यहां उन्होंने खुली जीप में लोगों का अभिवादन किया और राष्ट्रीय पोषण पखवाड़े के लिए सिंगल क्लिक से राशि ट्रांसफर की। उन्होंने कहा कि पीएम मित्र पार्क से स्थानीय कपास और रेशम उद्योग को मजबूती मिलेगी, क्वालिटी चेक आसान होगा और धार का नाम दुनिया के बाजार में चमकेगा।

माताओं-बहनों को सशक्त करने पर जोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार का सबसे बड़ा फोकस माताओं और बहनों की मुश्किलें कम करना रहा है। उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, जल जीवन मिशन और शौचालय निर्माण जैसी योजनाओं ने महिलाओं के जीवन को आसान बनाया है। उन्होंने स्वास्थ्य जांच को लेकर भी लोगों से अपील की।

सिकलसेल अभियान का जिक्र

पीएम मोदी ने बताया कि 2023 में शहडोल से शुरू किए गए सिकलसेल एनीमिया मिशन के तहत अब तक देशभर में 5 करोड़ से ज्यादा लोगों की स्क्रीनिंग हो चुकी है। आज मध्य प्रदेश में ही 1 करोड़वां सिकलसेल स्क्रीनिंग कार्ड दिया गया। उन्होंने कहा कि यह अभियान आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित बनाएगा।

आत्मनिर्भर भारत और 5स्त्र विजन

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत का रास्ता आत्मनिर्भर भारत से जाता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जो भी सामान खरीदें, वह देश में बना होना चाहिए। उन्होंने 5F (Farm, Fiber, Factory, Fashion, Foreign) विजन का जिक्र करते हुए बताया कि सरकार टेक्सटाइल सेक्टर में बड़े स्तर पर काम कर रही है।

मोदी बोले- 'गरीब की सेवा मेरी प्राथमिकता'

पीएम ने कहा कि पिछले 11 साल से गरीब कल्याण और उनकी सेवा ही सरकार की प्राथमिकता रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत अब तक 4.5 करोड़ गर्भवती महिलाओं को 19 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि दी जा चुकी है।

सीएम मोहन यादव का बयान

मंच से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की काया पलट हुई है। आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस, अयोध्या में राम मंदिर, मिजोरम में आजादी के 78 साल बाद ट्रेन पहुंचना - यह सब मोदी के नेतृत्व में संभव हुआ है।

संभल में बिना नक्शे बने नॉनवेज होटल पर चला बुलडोजर, मालिक बोला- मर जाऊंगा, पर जमीन नहीं छोड़ूंगा!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के संभल जिले में प्रशासन ने एक अवैध रूप से चल रहे नॉनवेज होटल को बुधवार को बुलडोजर चलवाकर गिरा दिया। यह होटल मोहम्मद सईदुद्दीन द्वारा संभल के हयातनगर थाना क्षेत्र के सरायतरीन इलाके में चलाया जा रहा था। प्रशासन का कहना है कि यह होटल बिना नक्शा पास कराए अवैध रूप से बनाया गया था। इससे पहले होटल मालिक को नोटिस भी जारी किया गया था, लेकिन कार्रवाई नहीं करने पर आरबी एक्ट की धारा 10 के तहत यह कार्रवाई की गई।

12 जुलाई को मिला था नोटिस, फिर भी नहीं हटाया गया अवैध निर्माण

जानकारी के मुताबिक, होटल संचालक मोहम्मद सईदुद्दीन को 12 जुलाई 2025 को अवैध निर्माण हटाने का नोटिस दिया गया था। लेकिन निर्माण नहीं हटाया गया, जिसके बाद नायब तहसीलदार और विनिमय क्षेत्र कार्यालय के अधिकारी बुलडोजर के साथ मौके पर पहुंचे और होटल को गिरा दिया।

होटल मालिक और लोगों ने किया विरोध, मचा हंगामा

बुलडोजर की कार्रवाई शुरू होते ही होटल मालिक और स्थानीय लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और विरोध जताने लगे। होटल संचालक ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई सत्ता के दबाव में की जा रही है, जबकि मेरी दुकान का मामला अभी कोर्ट में विचाराधीन है। मैं पुलिस से पिटने, मरने और जेल जाने को तैयार हूं, लेकिन अपनी जगह नहीं छोड़ूंगा। स्थिति को संभालने के लिए प्रशासन ने हयातनगर थाने की पुलिस और पीएसी को बुला लिया ताकि कोई बड़ा विवाद ना हो।

प्रशासन ने दी सफाई - कानूनी प्रक्रिया के तहत हुई कार्रवाई

संभल के एसडीएम विकास चंद्र ने बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह से कानून के मुताबिक की गई है। उन्होंने कहा कि आरबी एक्ट की धारा 10 के तहत अवैध निर्माण को हटाया गया है। नोटिस पहले ही दिया गया था और होटल संचालक को सुनवाई का पूरा मौका मिला था।

होटल संचालक का दावा - 50 साल से है जमीन पर कब्जा

होटल संचालक सईदुद्दीन ने मीडिया से कहा कि 50 साल से इस जमीन पर मेरा कब्जा है। यह जगह मेरी रोजी-रोटी का जरिया है। मुकदमा कोर्ट में लंबित है, फिर भी प्रशासन जबरन मेरी दुकान पर बुलडोजर चला रहा है।

फिलहाल स्थिति शांत, लेकिन लोगों में नाराजगी

मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और स्थिति अब नियंत्रण में है। हालांकि, स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है और कई लोग इसे सत्ता के दखल की कार्रवाई बता रहे हैं।

घर में 10 लोग, वोटर लिस्ट में 4000 से ज्यादा! महोबा की चुनावी मतदाता सूची में बड़ा फर्जीवाड़ा!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश में महोबा जिले के कुलपहाड़ तहसील में पंचायत चुनाव 2026 की तैयारियों के तहत बनाई गई मतदाता सूची में जबरदस्त गड़बड़ी सामने आई है। ऐसा लगता है मानो जिम्मेदार अधिकारियों ने बिना जांच-पड़ताल के ही पूरी सूची तैयार कर दी हो। हाल यह है कि कहीं एक छोटे से घर में हजारों मतदाता दर्ज हैं, तो कहीं कुछ कमरों के मकान में सैकड़ों वोटर।

पहला मामला - एक घर में 10 लोग, लेकिन कागजों में 4271 वोटर!

मिली जानकारी के मुताबिक, यह मामला जैतपुर ग्राम पंचायत के वार्ड नंबर 3 जुगयाना का है। जहां मकान नंबर 803 सुर्खियों में है, क्योंकि इस घर में मतदाता क्रमांक 2251 पर 4271 वोटर दर्ज हैं। जबकि असलियत में इस घर में केवल 10 लोग रहते हैं। इस मकान की

मुखिया उजिया की मौत 10 साल पहले ही हो चुकी है, लेकिन उनका नाम भी सूची में आज तक बना हुआ है। उजिया की बेटी और घरवालों का कहना है कि उन्हें नहीं पता कि ये हजारों नाम उनके घर पर कैसे दर्ज हो गए। वहीं पड़ोसी एहसान ने भी हैरानी जताते हुए कहा कि इतनी बड़ी गड़बड़ी की सही से जांच होनी चाहिए।

दूसरा मामला- दूसरे गांव में भी मिली बड़ी गड़बड़ी

पनवाड़ी ग्राम पंचायत के वार्ड नंबर 13 में भी इसी तरह की चौंकाने वाली स्थिति देखने को मिली। जहां मकान नंबर 996 पर 185 वोटर दर्ज हैं। मकान नंबर 997 पर 243 वोटर पाए गए। जबकि हकीकत ये है कि इन घरों में सिर्फ 2 से 6 लोग ही रहते हैं। मकान मालिकों ने सूची देखकर हैरानी जताई और कहा कि यह निर्वाचन विभाग की बड़ी लापरवाही है। स्थानीय लोगों ने निर्वाचन आयोग से मामले की जांच और सुधार की मांग की है।

ADM का बयान- त्रुटि की वजह और समाधान

मामले को लेकर एडीएम कुंवर पंकज ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी मकान नंबर नहीं होने की वजह से बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) ने एक ही नंबर पर कई परिवारों के वोट दर्ज कर दिए हैं। लेकिन ये सभी मतदाता उसी गांव के हैं। उन्होंने आगे बताया कि अब इस गड़बड़ी को सुधारने के लिए मकान नंबरों को विभाजित किया जा रहा है। वोटर लिस्ट को सही करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

संपत्ति विवाद में खेला खूनी खेल, जंगल में बेटे ने पिता की गर्दन रेत कर की हत्या, फिर खुद को भी घायल कर रचा नाटक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश में गोंडा जिले के खरगूपुर थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। जहां बीता 13 सितंबर को कुवानों जंगल में 60 वर्षीय बुजुर्ग गंगा सागर की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। इस घटना से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। बताया जा रहा है कि मृतक अपने छोटे बेटे अनोखीलाल को संपत्ति देना चाहता था, लेकिन बेटे को यह बात रास नहीं आई। आर्थिक तंगी और संपत्ति को लेकर पिता से विवाद होने के कारण उसने अपने ही पिता की हत्या कर दी।

बेटे के घायल हालत में मिलने से खुला राज

मिली जानकारी के मुताबिक, मामला तब उजागर हुआ जब घायल हालत में बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस को खबर मिली कि दोनों पिता-पुत्र जंगल में

लकड़ी काटने गए थे, तभी अचानक हमला हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से हमला किया, जिससे गंगा सागर की मौके पर ही मौत हो गई और उनका बेटा घायल हो गया।

पुलिस जांच में तेजी, ग्रामीणों में आक्रोश

पुलिस ने मौके से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घायल बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया। ग्रामीणों का गुस्सा पुलिस के खिलाफ भी देखने को मिला, क्योंकि उन्हें इस घटना का सही से खुलासा नहीं हो पा रहा था। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि घटना के तुरंत बाद ही पुलिस ने पांच टीमों का गठन किया था, जिसमें एसओजी और सर्विलांस भी शामिल थे। उनका दावा था कि जल्द ही इस मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

जांच में सामने आया चौंकाने वाला सच

अब जांच में सामने आया है कि मृतक गंगा सागर अपने छोटे बेटे को संपत्ति देना चाहता था। लेकिन बेटा अनोखीलाल इससे खुश नहीं था। गुस्से में आकर उसने जंगल में जाकर अपने ही पिता की गर्दन रेत कर हत्या कर दी। इसके बाद उसने घटना को दूसरा रूप देने के लिए खुद को घायल कर लिया। पुलिस ने आरोपी बेटे अनोखीलाल को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अखिलेश यादव बोले - चुनाव के दौरान फर्जी आधार कार्ड तैयार करवाती है बीजेपी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि चुनाव के दौरान बीजेपी फर्जी आधार कार्ड तैयार करवाती है और इसी के जरिए नकली वोट डलवाए जाते हैं।

चुनाव आयोग पर निशाना

अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी प्रशासन के सहयोग से चुनाव आयोग को 'जुगाड़ आयोग 'बना चुकी है। उनका आरोप है कि फर्जी आधार कार्ड बनवाकर बीजेपी ने नकली नामों से वोट डलवाए और चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया।

नकली आधार कार्ड की मशीन का दावा

सपा अध्यक्ष ने यह भी दावा किया कि

बीजेपी के पास ऐसी मशीन है, जिसे चुनाव के दिन बूथ पर भेजा जाता है। उनके मुताबिक, इस मशीन का इस्तेमाल कर नकली आधार तैयार किए जाते हैं। अखिलेश का आरोप है कि बीजेपी कार्यकर्ताओं को पहले से प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन फर्जी आधार कार्डों से वोट डाल सकें।

SIR पर क्या बोले सपा नेता?

कन्नौज के सांसद अखिलेश यादव ने SIR (Special Summary Revision) प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार इस प्रक्रिया के जरिए नई वोटर लिस्ट तैयार कर रही है। सपा प्रमुख का कहना है कि जब भी वे इस पर सवाल उठाते हैं, तो सरकार यही कहती है कि यह काम पारदर्शिता के लिए किया जा रहा है। अखिलेश यादव ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि उन्हें मजबूत बूथ लेवल एजेंट तैयार करने होंगे। उन्होंने अपील की, आपको अपना वोट बनाना है, वोट बचाना है और किसी भी तरह के घोटाले से बचना है।'

चुनाव से पहले बढ़ी हलचल

अखिलेश यादव ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है, जब उत्तर प्रदेश में पंचायत और विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट के गहन पुनरीक्षण (revision) को लेकर चर्चा तेज है। बीते दिनों राज्य चुनाव आयोग ने इस संबंध में जिलों के अधिकारियों के साथ बैठक भी की थी।

गूगल जेमिनी का वायरल फीचर और प्राइवेसी का सच

गूगल जेमिनी का नैनो बनाना फीचर इन दिनों सोशल मीडिया पर बेहद तेजी से ट्रेंड कर रहा है। साधारण तस्वीरों को 3डी मॉडल, रेट्रो साड़ी लुक या एनिमेटेड कैरेक्टर में बदलने की इसकी क्षमता ने लाखों यूजर्स को आकर्षित किया है। इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर हजारों लोग अपनी एआई एडिटेड तस्वीरें शेयर कर रहे हैं। इस ट्रेंड ने न केवल सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, बल्कि गूगल जेमिनी को ऐप स्टोर चार्ट्स के शीर्ष पर पहुंचा दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, केवल दो हफ्तों में 2.3 करोड़ से अधिक नए यूजर्स इस ऐप से जुड़े और अब तक 50 करोड़ से ज्यादा तस्वीरें इस टूल से एडिट की जा चुकी हैं। अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम जैसे देशों में भी यह टूल चार्ट्स के शीर्ष स्थानों पर है। हालांकि, इस लोकप्रियता के साथ-साथ लोगों के मन में प्राइवेसी और सुरक्षा से जुड़ी शंकाएं भी उठ रही हैं। गूगल ने दावा किया है कि नैनो बनाना फीचर के तहत अपलोड की गई तस्वीरें सुरक्षित सर्वर पर प्रोसेस होती हैं और बिना यूजर की अनुमति के किसी थर्ड पार्टी के साथ साझा नहीं की जातीं। कंपनी का कहना है कि वह यूजर्स की तस्वीरों को बिना सहमति के एआई ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल नहीं करती और जेमिनी यूरोप के जीडीपीआर और अमेरिका के सीसीपीए जैसे सख्त डेटा सुरक्षा नियमों का पालन करता है। इसके अलावा, गूगल का यह भी कहना है कि केवल यूजर ही अपनी तस्वीरों को साझा कर सकता है। जेमिनी अपने एआई जनरेटेड इमेज में सिंथआईडी (SynthID) नामक अदृश्य वॉटरमार्क और एक विजिबल वॉटरमार्क का इस्तेमाल करता है, ताकि यह पहचाना जा सके कि इमेज एआई से बनी है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि वॉटरमार्क को हटाना असंभव नहीं है, जिससे इन तस्वीरों के दुरुपयोग का खतरा बना रहता है। इसलिए सिर्फ गूगल के दावों पर भरोसा कर लेना पर्याप्त नहीं है। किसी भी ट्रेंड को फॉलो करते समय यह समझना जरूरी है कि एक साधारण तस्वीर भी कितनी निजी जानकारी उजागर कर सकती है। उदाहरण के लिए, फोटो के बैकग्राउंड में आपका घर, कार्यस्थल या अन्य लोग दिख सकते हैं।

सबसे बड़ा जोखिम मेटाडेटा और लोकेशन टैग से होता है। मेटाडेटा में आपकी तस्वीर कब और कहां खींची गई, किस डिवाइस से ली गई और अन्य विवरण दर्ज होते हैं। यदि इन्हें हटाए बिना अपलोड किया जाए, तो आपकी लोकेशन आसानी से लीक हो सकती है। अपनी सुरक्षा के लिए कुछ एहतियाती उपाय करना जरूरी है। सबसे पहले, किसी भी तरह की संवेदनशील या निजी तस्वीरें अपलोड करने से बचें, जिनमें बच्चों, परिवार या आपके घर की पहचान शामिल हो। एक बार इंटरनेट पर अपलोड हो जाने के बाद, किसी भी सामग्री को पूरी तरह से हटाना मुश्किल होता है। दूसरी बात, मेटाडेटा हटाना बेहद जरूरी है। गूगल फ़ोटोज़ में फ़ोटो खोलकर और 'i' आइकन पर क्लिक करके मेटाडेटा देखा जा सकता है। इसे हटाने के लिए, फ़ोटो एक्सफ़ एडिटर जैसे थर्ड-पार्टी ऐप्स का इस्तेमाल करें। कई स्मार्टफ़ोन में एक बिल्ट-इन विकल्प होता है, जहाँ एडिट या मोर विकल्प में जाकर "मेटाडेटा हटाएँ" का विकल्प चुना जा सकता है। विंडोज़ कंप्यूटर पर, फ़ोटो पर राइट-क्लिक करें और प्रॉपर्टीज़ खोलें, फिर डिटेल्स टैब खोलें और "प्रॉपर्टीज़ और पर्सनल जानकारी हटाएँ" पर क्लिक करें। यहाँ आप एक नई कॉपी बना सकते है या मूल फ़ाइल से मेटाडेटा हटा सकते हैं। किसी भी ऑनलाइन सेवा या ऐप का उपयोग करने से पहले उसकी प्राइवेसी पॉलिसी पढ़ना भी बेहद आवश्यक है। अक्सर लोग बिना पढ़े ही सहमति दे देते हैं और बाद में उन्हें पता नहीं चलता कि उन्होंने अपनी कौन-सी जानकारी साझा करने की अनुमति दी है। गूगल जैसे बड़े प्लेटफॉर्म्स के पास मजबूत सुरक्षा उपाय होते हैं, लेकिन इंटरनेट पर अपलोड की गई हर जानकारी किसी न किसी स्तर पर जोखिम में रहती है। एआई कंपनियों को आपके डेटा का भविष्य की सेवाओं या अनुसंधान के लिए इस्तेमाल करने के अधिकार मिल सकते हैं, जिनसे आप अनजाने में सहमत हो चुके हों। इसके अलावा, एडिट की गई तस्वीरों को सार्वजनिक प्लेटफॉर्म पर शेयर करने से बचें। मेटाडेटा हटाने के बाद भी एक बार फोटो इंटरनेट पर पब्लिक मोड में जाती है, तो कोई भी उसे डाउनलोड कर सकता है और उसका दुरुपयोग कर सकता है। सोशल इंजीनियरिंग, पहचान की चोरी या अन्य साइबर अपराधों के लिए ऐसी तस्वीरों का इस्तेमाल किया जा सकता है। खासकर तब, जब तस्वीरों में आपकी पहचान या आपके परिवार के सदस्य स्पष्ट रूप से दिख रहे हों। नैनो बनाना फीचर का उपयोग करना आसान है। आपको बस अपनी तस्वीर अपलोड करनी होती है और फिर अपनी पसंद का स्टाइल या इफेक्ट बताने वाला प्रॉम्प्ट डालना होता है। कुछ ही सेकंड में यह टूल आपकी फोटो को पूरी तरह बदल देता है। लोग इससे अपने 3डी मॉडल बनवा रहे हैं, 90 के दशक की साड़ी वाली तस्वीरें तैयार करवा रहे हैं या खुद को एनिमेटेड कैरेक्टर में बदल रहे हैं। यही इसकी लोकप्रियता की बड़ी वजह है—न कोई तकनीकी ज्ञान चाहिए,

न कोई शुल्क। इसकी सरलता और आकर्षक परिणामों ने इसे वायरल बना दिया है। लेकिन यही सरलता एक जोखिम भी है। इंटरनेट पर पहले भी देखा गया है कि ट्रेंड्स के बहाने यूजर्स के निजी डेटा का दुरुपयोग किया गया है। कई कंपनियां कितने भी सुरक्षा दावे करें, अपनी प्राइवेसी की जिम्मेदारी अंततः यूजर पर ही होती है। डिजिटल युग में आपकी तस्वीरें, लोकेशन और पहचान बेहद मूल्यवान डेटा हैं। इन्हें सुरक्षित रखना आपके अपने कदमों पर निर्भर करता है। इस पूरे मामले से यह सीख मिलती है कि किसी भी नए एआई ट्रेंड को अपनाने से पहले उसकी प्राइवेसी नीतियों को समझना और अपने डेटा की सुरक्षा के लिए, जरूरी एहतियात बरतना चाहिए। यदि आप मेटाडेटा हटाने, संवेदनशील तस्वीरें न देने और एडिट की गई तस्वीरों को सार्वजनिक रूप से शेयर न करने जैसे कदम उठाते हैं, तो आप इस ट्रेंड का आनंद बिना बड़े जोखिम के ले सकते हैं। इंटरनेट पर अपलोड किया गया डेटा हमेशा के लिए वहां रह सकता है, इसलिए सोच-समझकर हर तस्वीर शेयर करें। इस तरह आप नैनो बनाना जैसे मजेदार टूल्स का उपयोग भी कर पाएंगे और अपनी प्राइवेसी तथा लोकेशन को भी सुरक्षित रख सकेंगे।

महेन्द्र तिवारी

भारतीय मानव अधिकारों की मांग तो कर रहा है,मगर उसे कर्तव्य का बोध नही

धर्म-प्रधान देशों में भारत देश का स्थान सदा से ही गौरवपूर्ण रहा है। यह भारत-भूमि अनेक धर्मों की जन्म-स्थली रही है। वैदिक, जैन, बौद्ध व सिक्ख धर्म के साथ-साथ कई अन्य धर्म भी यहाँ जन्मे और फले-फूले हैं। प्रत्येक धर्म के मूल में एक ही बात रही है कि मानव सुख से जिए, सुख से रहे। सभी धर्म-प्रचारकों का एक सन्देश है कि आत्मा को उज्ज्वल करो, मन का मैल हटाओ, जिससे परमात्मा से साक्षात्कार हो सके। हर धर्म का अपना दर्शन रहा है। महापुरुषों ने अपने ज्ञान व विवेक से लोगों में विश्वास पैदा किया है कि हम जिस पथ पर चल रहे हैं, वही ईश्वर के द्वार तक ले जाने वाला पथ है, और वह दर्शन ही परमात्मा के दर्शन कराने में सक्षम है। भारत में सदियों से श्रद्धा और विश्वास की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। लोगों को हमेशा दूसरों पर विश्वास रहा है। भय को कभी यहाँ स्थान नहीं मिला। इस भूमि पर सम्पन्नता का साम्राज्य छाया रहा। इतिहास के पृष्ठों को पलटने पर पता चलता है कि इस धरती के निवासी अतीत में कभी अपने घरों में ताले नहीं लगाते थे। यू. एन. संग, फाह्यान, मेगस्थनीज जो कि चन्द्रगुप्त के राज्यकाल में भारत की यात्रा पर आये थे, उनको यह जानकर आश्चर्य हुआ था कि इस देश में चोरी नहीं होती। दूसरों की वस्तु को चुराने की आदत से भारत का निवासी सर्वथा मुक्त है। देहरादून, मंसूरी आदि क्षेत्रों में देखा कि वहाँ के किसान-मजदूर बहुत गरीब व ईमानदार होते हैं। उनके घरों के व्यक्ति दिन में अपने खेत या काम पर जाते हैं तो अपने घरों में ताले नहीं लगाते । उदयपुर जिले के आदिवासी क्षेत्रों के लोग तो आज भी अपने-अपने घरों की कुंडी लगाकर काम पर चले जाते हैं। इन गाँवों को देख-देखकर मन में विचार उठता है कि भारत के सुदूर ग्राम जहाँ अभी भी शहरों की हवा नहीं पहुँची है, उन ग्रामों के निवासी छल-प्रपंच, चोरी आदि कई सामाजिक बुराइयों से मुक्त हैं। इधर शहरों और कस्बों की ओर दृष्टि जाती है तो मन परेशान होने लगता है, क्योंकि आज तो आदमी का आदमी से विश्वास उठता जा रहा है। आज हमारे मनों में बुराई के भाव हैं और बुराई का ये भाव ही भय पैदा कर रहा है। आदमी को हर समय यही भय लगा रहता है कि कोई उसके घर में प्रवेश न कर जाये, चोरी न हो जाये। इसके लिए बड़े-बड़े ताले लटकाये जाते हैं। चाबी वाले तालों के साथ-साथ गुप्त अंकों वाले ताले भी लगाये जाते हैं। फिर भी समाचार-पत्रों में आये दिन चोरी होने के समाचार छपते ही रहते हैं।

हर सामने वाले को शंका की दृष्टि से देखने की लोगों की आदत हो गई है। देश की वर्तमान स्थिति को देखने पर इतिहास में आये मेगस्थनीज और फाह्यान जैसे यात्रियों पर आशंका होने लगती है कि कहीं उन्होंने भूल से तो भारत का नाम नहीं लिख दिया ? आज हमारा इतिहास काँप रहा है और अतीत तथा वर्तमान के अन्तर को देख-देखकर वह आँसू बहा रहा है। यह देश गर्त में जा रहा है जबकि दुनियाँ के अन्य देश आगे बढ़ रहे हैं। आज भारत की स्थिति तो एकदम विपरीत और दयनीय हो चुकी है। जेब काटना, चोरी करना और दूसरे के माल पर अधिकार करना आदि तो सामान्य बातें हो गई हैं। माता-पिता बच्चों को सावधानी रखने की शिक्षा देते हैं। अब तो स्थिति यहाँ तक पहुँच चुकी है कि किसी-न-किसी रूप में सभी में चोरी की भावना घर कर गई है। कोई धन का चोर है तो कोई काम का चोर। नेता जनता पर उँगली उठाते हैं और जनता नेताओं पर उँगली उठा रही है। बड़ी मनोरंजक बात है। एक पुरानी बात याद आ गई है।एक शहर के सार्वजनिक स्थल पर चुनाव के बड़े-बड़े पोस्टर लगे हुए थे। काँग्रेस को वोट दो। जनता पार्टी को वोट दो। कम्यूनिस्ट पार्टी को वोट दो। इस तरह कई पार्टियों के पोस्टर लगे थे। उनके पास ही सिनेमा का पोस्टर भी लगा था, जिसका नाम था हम सब चोर है। सच्चाई को उजागर करने वाला यह पोस्टर-संयोग हँसने-हँसाने के लिए ही नहीं लिखा,अपितु यह हम सबके लिए सोचने-विचारने का विषय भी है। हमारा जन्म किसी महान् उद्देश्य के लिए हुआ है, न कि धोखा देने और छल-प्रपंच करने के लिए। आज लाखों मनुष्य कानून के कटघरे में खड़े होकर जेल की चारदीवारी में जीवन के महत्त्वपूर्ण क्षणों को नष्ट कर रहे हैं। ऐसा क्यों हुआ? इसलिए कि जो दूसरों को कष्ट देता है, वह कानून को अपने ऊपर लादता है। साथ ही, आत्मा को भी बन्धन में बाँधता है। दूसरों को किसी प्रकार का कष्ट दिये बिना ही जीवन को आनन्द से व्यतीत किया जा सकता है। मानव तो अनंत गुणों का भण्डार है। सभ्यता और संस्कृति की छाया से उसे प्रेरणा मिलती है। शिक्षा से उसे ज्ञान मिलता है। संस्कार मिलते हैं और समाज उसका मूल्यांकन करने लगता है।आज के समय मे उधोग में धोखाधड़ी हो गई है।महानगरों में उधार में माल लेकर पेमेंट नही करते है।आज धोखाधडी के केस बढ़ते जा रहे है।दूसरो के बच्चो को निवाला छीनकर अपनी संतान को खिला रहे है।जुठ और धोखाधड़ी से लूटकर जमा की गई ,सम्पति अपने कुटुंब को शांति प्रदान करेगी?यह विचारणीय है।समाज मे अपनी करनी के शिकार होते लोगो को हम देख रहे है। सोना, चाँदी, लोहा आदि धातुएँ कहाँ से आती हैं? इसी धरती से, इसी मिट्टी से। मगर उसको भी पहले संस्कारित करना पड़ता है, तब सोना मिट्टी से अलग होकर अपनी चमक से सभी को मोहित करता है। एक निर्जीव वस्तु संस्कारित हो सकती है तो मानव को तो ज्ञान मिला है, बुद्धि मिली है, उसे तो जीवन का लाभ उठाना ही चाहिए। स्वयं को संस्कारित बनाकर समाज के लिए उपयोगी जीवन जीना चाहिए। यदि मानव ऐसा कर सका तो समाज और राष्ट्र के लिए सार्थक सिद्ध होगा। आज का भारतीय मानव अधिकारों की माँग तो कर रहा है, मगर उसे अपने कर्त्तव्यों का बोध नहीं है। प्रत्येक नागरिक का अपने परिवार, समाज,ग्राम,राज्य राष्ट्र और सम्पूर्ण विश्व के प्रति सम्पूर्ण कर्तव्य है। महान् नीतिविज्ञ भर्तृहरि ने कहा है- जब मैं मूर्ख था तो यह समझता था कि बहुत कुछ जानता हूँ, किन्तु जब कुछ-कुछ जानने लगा तो यह अनुभव हुआ कि मैं कुछ भी नहीं जानता। वास्तव में अज्ञानी अपने अज्ञान को नहीं समझ पाता, जबकि ज्ञानी अपने अज्ञान को समझने के कारण ही ज्ञानी बनता है। ज्ञान की प्राप्ति के लिए प्रयास की आवश्यकता होती है।

इस हेतु डॉ. राधाकृष्णन के अनुसार तप ही ज्ञान की कुंजी है। तप से ही ज्ञान के भीतर शक्ति का उद्रेक होता है और तप से ही वह शक्ति श्रेयोगामी होकर अमृत की सृष्टि करती है।भगवान महावीर ने ज्ञान प्राप्ति के लिए साढ़े बारह वर्ष तक कठोर तपःसाधना की। इस तपःसाधना द्वारा ही आत्मा के कल्मष धुल-धुलकर बह गये और समस्त आवरण हट गये। अन्तःशक्तियाँ स्फुटित हुई और अनन्त ज्ञानालोक प्रकट हो गया। वही ज्ञान जीवन के लिए उपयोगी है, जो बन्धनों से मुक्ति दिलाये। क्या इस हेतु हमारा प्रयास हो रहा है? सारे प्रयासों के पश्चात् भी यदि कर्मों की निर्जरा नहीं हो पाई तो सब प्रयास निरर्थक हैं। हमें हर पल विचार करना होगा कि जो ज्ञान, जो तप हम कर रहे हैं, वह कहीं हमारे अहंकार की तुष्टि तो नहीं कर रहा है? जहाँ अहंकार बढ़ा, मैं की अभिवृद्धि हुई, वहीं आत्मा मुक्त होने के स्थान पर बन्धन में पड़ जायेगी।

कांतिलाल मांडोत

आग, आक्रोश और आशा- नेपाल का नया अध्याय

छह महीने, एक भरोसा—क्या टिकेगा नेपाल?

नेपाल की राजनीतिक अस्थिरता ने हाल ही में एक नाटकीय मोड़ लिया, जब पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। यह कदम जनरेशन जेड के युवा प्रदर्शनकारियों की जोशीली मांगों का परिणाम है, जिन्होंने भ्रष्टाचार, नेपोटिज्म और सामाजिक मीडिया प्रतिबंधों के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शन किए।

इन प्रदर्शनों ने देश को हिलाकर रख दिया—51 लोगों की जान गई, संसद भवन, राष्ट्रपति भवन और प्रधानमंत्री आवास को आग के हवाले कर दिया गया, और देशव्यापी कर्फ्यू लागू करना पड़ा। केपी शर्मा ओली की सरकार के इस्तीफे के बाद उठाया गया यह कदम नेपाल के राजनीतिक इतिहास में एक निर्णायक क्षण है। लेकिन सवाल यह है- क्या यह नियुक्ति नेपाल के लिए स्थायी स्थिरता ला पाएगी, या यह केवल अस्थायी राहत है? सुशीला कार्की का चयन एक अभूतपूर्व प्रक्रिया का नतीजा है। 73 वर्षीय कार्की, जो 2016 से 2017 तक नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश रहीं, अपने न्यायिक सुधारों और भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर रुख के लिए जानी जाती हैं। जेन जेड प्रदर्शनकारियों ने डिस्कॉर्ड ऐप पर ऑनलाइन वोटिंग के जरिए उनका नाम चुना, जिसमें उन्होंने 31% वोट हासिल कर काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह (27%) को पछाड़ा। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और सेना प्रमुख अशोक राज सिग्देल ने संवैधानिक विशेषज्ञों से विचार-विमर्श कर कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री नियुक्त किया। जेन जेड समूह की संसद भंग करने और छह महीने में नए चुनाव कराने की मांग को भी स्वीकार किया गया। युवाओं ने कार्की को "ईमानदार, निडर और दृढ़" बताते हुए उन्हें "राष्ट्र निर्माण का सशक्त विकल्प" करार दिया। नेपाल की राजनीतिक उथल-पुथल में सुशीला कार्की की अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्ति एक उम्मीद की किरण है, लेकिन यह कितनी कारगर साबित होगी? कार्की की तटस्थता और भ्रष्टाचार के खिलाफ उनका अडिग रुख उन्हें जेन जेड प्रदर्शनकारियों की नजर में एक आदर्श विकल्प बनाता है।

किसी राजनीतिक दल से न जुड़ी होने के कारण उनकी नियुक्ति निष्पक्षता का प्रतीक है, जो हिंसा और अस्थिरता से जूझ रहे नेपाल में "सुधारों की नई सुबह" का वादा करती है। 73 वर्षीय कार्की, नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश, अपने कठोर न्यायिक सुधारों और भ्रष्टाचार विरोधी रुख के लिए जानी जाती हैं। जेन जेड ने डिस्कॉर्ड पर ऑनलाइन वोटिंग के जरिए उन्हें चुना, जो उनकी विश्वसनीयता को दर्शाता है। उनकी भारत से गहरी सांस्कृतिक और भावनात्मक जुड़ाव—विशेष रूप से बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी से उनकी शिक्षा और भारत-नेपाल संबंधों के प्रति सकारात्मक रवैया—दोनों देशों के बीच रिश्तों को मजबूती दे सकता है। एक साक्षात्कार में कार्की ने कहा, "मैं गंगा की यादों को संजोती हूं और भारत के योगदान को सम्मान देती हूं" यह भारत के लिए एक अवसर है, खासकर तब, जब ओली सरकार के दौरान सीमा विवाद और चीन की बढ़ती उपस्थिति ने चिंताएं बढ़ाई थीं। कार्की की नियुक्ति नेपाल में जवाबदेही और पारदर्शी शासन की दिशा में एक साहसिक कदम हो सकती है। लेकिन यह राह आसान नहीं है। कार्की के सामने चुनौतियों का पहाड़ है। संवैधानिक प्रक्रिया में अस्पष्टता और संसद भंग करने के प्रावधान पर सहमति की कमी उनके लिए शुरुआती अड़चन है। प्रदर्शनों की आग में 51 से अधिक लोगों की जान गई, संसद और सरकारी भवनों को नष्ट किया गया, और 15,000 कैदियों के जेल से भागने ने अराजकता को बढ़ाया। सेना को कानून-व्यवस्था संभालनी पड़ी, जो अस्थिरता की गंभीरता को दर्शाता है। नेपाल, 2008 में राजतंत्र समाप्त होने के बाद से ही राजनीतिक और आर्थिक संकट से जूझ रहा है। युवा बेरोजगारी और विदेश पलायन जैसी समस्याओं ने जेन जेड के आक्रोश को हवा दी, जिन्होंने "नेपो किड्स" और भ्रष्टाचार के खिलाफ मोर्चा खोला। कार्की को अब न केवल शांति बहाल करनी है, बल्कि आर्थिक सुधार और भ्रष्टाचार की जांच जैसे जटिल कार्य भी करने हैं। उनकी उम्र (73 वर्ष) और विशुद्ध न्यायिक पृष्ठभूमि राजनीतिक नेतृत्व की जटिलताओं के लिए पर्याप्त नहीं हो सकती। 2017 में उनके खिलाफ लाया गया महाभियोग प्रस्ताव, भले ही जन दबाव में वापस ले लिया गया, उनकी राह में अविश्वास का सबब बन सकता है। यदि राजनीतिक दल सहयोग नहीं करते, तो यह अंतरिम सरकार एक और विफल प्रयोग बन सकती है। क्या कार्की इन तूफानों को पार कर नेपाल को स्थिरता की ओर ले जाएंगी, या यह नियुक्ति केवल एक अस्थायी पड़ाव है? नेपाल का भविष्य अब एक नाजुक मोड़ पर खड़ा है। सुशीला कार्की की अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्ति एक साहसी कदम है, लेकिन क्या यह देश को स्थायी स्थिरता की ओर ले जाएगा? यह अस्थायी समाधान जेन जेड के जोश और उनके "राष्ट्र निर्माण" के सपने को दर्शाता है, परंतु इसकी सफलता कई अनिश्चितताओं पर टिकी है। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने राजनीतिक दलों को एकजुट होने का आह्वान किया है, जबकि सेना की भूमिका कानून-व्यवस्था बनाए रखने में निर्णायक होगी। जेन जेड ने छह महीने में नए चुनावों की घोषणा की है, जिसमें युवा अपने नेतृत्व का चयन करेंगे। इस बीच, कार्की की अगुवाई में भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच, आर्थिक सुधार और युवा रोजगार पर ध्यान केंद्रित करने की योजना है। कार्की की भारत-प्रेमी टिप्पणियां—जैसे गंगा की स्मृतियों और भारत के योगदान की प्रशंसा—नेपाल की विदेश नीति में बदलाव का संकेत देती हैं, जो ओली सरकार की चीन-केंद्रित नीतियों को संतुलित कर सकती हैं। उनके शब्द, "मेरा पहला कदम प्रदर्शनकारियों के परिवारों को न्याय और सहायता देना है," दृढ़ संकल्प को दर्शाते हैं।

सोशल मीडिया पर "जय नेपाल" और "नया अध्याय" जैसे उत्साहपूर्ण नारे गूंज रहे हैं, लेकिन कुछ चेतावनियां भी हैं कि एकता और धैर्य जरूरी है, वरना अराजकता फिर लौट सकती है। हालांकि, चुनौतियां कम नहीं हैं। संवैधानिक संशोधन की मांग और पुरानी राजनीतिक संरचनाओं से टकराव कार्की के लिए बड़ी बाधा है। नेपाल, जो भारत और चीन के बीच सामरिक रूप से स्थित है, को क्षेत्रीय शक्तियों के प्रभावों से सावधान रहना होगा। आर्थिक अस्थिरता, बेरोजगारी और विदेश पलायन जैसे मुद्दे जेन जेड के आक्रोश को भड़का सकते हैं। कार्की की नियुक्ति जेन जेड की लोकतांत्रिक शक्ति का प्रतीक है, लेकिन उनकी उम्र और न्यायिक पृष्ठभूमि राजनीतिक जटिलताओं से निपटने में अपर्याप्त साबित हो सकती है। यदि वह कानून-व्यवस्था बहाल कर निष्पक्ष चुनाव करा सकीं, तो यह नेपाल के लोकतंत्र की ऐतिहासिक जीत होगी। लेकिन अगर राजनीतिक दल और युवा आंदोलन के बीच एकता टूटी, तो यह एक और संकट को जन्म दे सकता है। नेपाल को केवल राहत नहीं, बल्कि एक नए युग की शुरुआत चाहिए। कार्की और जेन जेड की यह साझेदारी क्या इतिहास रचेगी, या यह एक अधूरी कहानी बनकर रह जाएगी?

प्रो. आरके जैन

संपादकीय

पर्यावरण तथा वायु प्रदूषण से होता बुरा हाल

शहरी नागरिक फेफड़ों की तकलीफ से हलाकान।

बड़े मेट्रोपॉलिटन शहरों जैसे दिल्ली,मुंबई,कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, अहमदाबाद, हैदराबाद जैसे शहरों में पर्यावरण तथा वायु प्रदूषण का स्तर काफी ऊंचा हो गया है। दिल्ली वैसे भी देश और दुनिया का सर्वाधिक प्रदूषित शहर माना जाता है इसके बाद कोलकाता तथा मुंबई का नंबर भी आता है पटना शहर की जनसंख्या एवं घरों की बसाहट अधिक होने से वाहन प्रदूषण की स्थिति अत्यंत कमजोर है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।पर्यावरण संतुलन से आर्थिक, सामाजिक विकास की अवधारणा की भारत जैसे विकासशील देश को नितांत आवश्यकता है। जहां देश के वार्षिक बजट का बड़ा हिस्सा पर्यावरण प्रदूषण को दूर करने एवं पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने हेतु खर्च किया जाता है। अपने देश में दिल्ली सर्वाधिक प्रदूषित शहर हैद्य इसके बाद अनेक राज्यों की राजधानियां भी प्रदूषण में एक दूसरे को टक्कर दे रही हैं दिल्ली मे तो प्रदूषण बेचारा केंद्र और राज्य की राजनीति का शिकार हो गया है ,दिल्ली प्रशासन और केंद्र शासन एक दूसरे पर पर्यावरण तथा यमुना नदी के प्रदूषण पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं पर प्रदूषण कम करने के उपाय ऊपर हाथ में हाथ धरे बैठे हैं ।अमूमन यही स्थिति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हैद्य वर्तमान में वृहद चिंतन की आवश्यकता है कि पर्यावरण संतुलन से आर्थिक, सामाजिक विकास की अवधारणा है कैसे जन्म लेंगी? उसमें गहन चिंतन विभिन्न मानव प्रजातियों के आर्थिक तथा पर्यावरण संतुलन को लेकर भी हैद्य इस विषय पर एक खुली बहस की आवश्यकता हैद्य खुली बहस इसलिए भी कि मनुष्य के जीवन के लिए जितना आवश्यक पर्यावरण संतुलन है उतना ही आवश्यक उसका आर्थिक विकास भी हैद्य अब ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते खतरे को देखकर पर्यावरण संतुलन को आर्थिक विकास के साथ जोड़ा जाना अत्यंत महत्वपूर्ण एवं मानवीय जीवन की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैद्य बढ़ते असमान आर्थिक विकास तथा उपभोक्तावादी प्रकृति ने जहां सामाजिक विभेद की दरार को चौड़ा कर दिया है वही विश्व स्तर पर विस्तारवाद तथा उपनिवेशवाद को बढ़ावा भी मिला हैद्य राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भेदभाव के इस बड़े स्तर को आर्थिक विकास तथा पर्यावरण संतुलन को प्राथमिकता देना नदी के दो अलग किनारों को जोड़ने जैसा ही हैद्य विकास की दौड़ में जहां मनुष्य जीवन के इस व्यस्तता में थककर वापस प्रकृति की ओर उन्मुख होना चाहता हैद्य शहरी मनुष्य प्रकृति की शीतलता, हरियाली और खुली स्वच्छंद हवा में सांस लेने

के लिए उत्सुक है और कल्पना करता है कि गांव में जीवन कितना सुमधुर और स्वच्छंद आनंदमई है, इसकी दूसरी तरफ ग्रामीण जंगली इलाकों के रहने वाले लोग कल्पना करते हैं कि शहर में कितनी सुविधाएं हैं जो जीवन जीने को एकदम सरल एवं आसान बनाती है। यह द्विपक्षीय लालसा शहर में रहने वाले और ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों के बीच बराबर की है, हमें इनके आपसी संतुलन को बनाए रखना और आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संतुलन को भी बढ़ते सोपान के साथ बढ़ावा देना हैद्य यूरोपीय देशों में कई देशों ने इसके उदाहरण प्रस्तुत किये हैं, जहां आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी गई हैद्य इसके लिए हमें उपभोक्तावादी संस्कृति को नियंत्रित कर नागरिकों को पर्यावरण के संतुलन के प्रति जागरूक करना होगाद्य टेक्नोलॉजी के स्तर पर पर्यावरण अनुकूल साधनों का ऊर्जा स्रोत ग्रीन तकनीक, हरित भवन, कार्बन न्यूट्रल वाहनों की तरफ उनके नियंत्रण पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता होगी। वहीं दूसरी तरफ आदिवासियों पर ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों को आधुनिक विज्ञान से देसी ज्ञान के साथ शिक्षित भी करने की आवश्यकता होगीद्य पर्यावरण किसी भी परियोजना को स्थापित करने के पूर्व पर्यावरण आकलन करने की आवश्यकता है ही इसके साथ ही समाज में पड़ने वाले प्रभाव को देखने के लिए सामाजिक प्रभाव आकलन को भी मूर्त रूप देना होगाद्य इस संतुलन को बनाने हेतु भविष्य की नीति बनाने की आवश्यकता होगी साथ ही हमको यह भी समझना होगा कि पर्वतों को मिटाने से नदियों को बांधने व जंगलों को काटने से विकास संभव नहीं हैद्य पर्यावरण संतुलन और विकास को केवल आर्थिक विकास की श्रेणी में न रखकर समग्र रूप से सामाजिक, पर्यावरणीय संस्कृति के नैतिक रूप से समझने की आवश्यकता होगीद्य इस पर्यावरण तथा आर्थिक संतुलन को बनाए रखने के लिए हमें सर्वहारा वर्ग के हर व्यक्ति के लिए जीत सुनिश्चित करनी होगी जिसमें किसी को नुकसान ना हो एवं आम व्यक्ति पीछे ना रह जाए। यह अवधारणा यदि किसी भी समाज देश में व्याप्त होगी तभी आर्थिक विकास का पर्यावरण के साथ संतुलन स्थापित हो सकता है इस संदर्भ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी कहा है "प्रकृति हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिए है व्यक्ति की लालच को पूरा करने के लिए नहीं" निर्दोष, निर्मल प्रकृति के दोहन के साथ ही मनुष्य के समाज ने अत्यधिक शोषण किया है। प्रकृति के विनाश के साथ आर्थिक विकास लंबे समय तक नहीं चल सकता हैद्य यह बात जितने जल्दी मनुष्य को, देश और पूरे विश्व समुदाय को जितनी जल्दी समझ में आ जाए उतना ही आर्थिक तथा पर्यावरण के संतुलन के विकास के लिए शुभ संकेत होंगेद्य आर्थिक विकास के वर्तमान संदर्भ को देखें तो यह बात बड़ी विचित्र किंतु सत्य प्रतीत होती है कि जब एक समुदाय को कुर्बान करने के लिए दूसरे समुदाय को लाभ पहुंचाया जाता है आर्थिक विकास के लिए योजनाएं कहीं बनती हैं, विस्थापित लोग कहीं और होते हैं और बिजली और अन्य सुविधाएं किसी अन्य जगह से आती है, जिसके परिणाम स्वरूप आर्थिक और पर्यावरण के संतुलन में अनेक विसंगतियां जन्म लेती हैं, और इससे सामाजिक आर्थिक संतुलन भी बिगड़ने की संभावना बलवती होती हैद्य मनुष्य की स्पृहा, कामना और लालच के सामने प्रकृति भी निरुत्तर होती दिखाई दे रही है। प्रकृति के समर्पण में जो विसंगतियां और दुष्प्रभाव हमारे सामने आ रहे हैं उनमें जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, बढ़ते ओजोन छिद्र ,बढ़ता जलवायु परिवर्तन, पिघलते ग्लेशियर तथा बढ़ता समुद्री जल हम सबके लिए नई समस्याओं को जन्म देने का काम कर रहे हैं। आपको ऐसा नहीं लगता कि हमारे प्रकृति विरोधी कर्मों से हमारे जीवन का अस्तित्व ही खतरे में आने लगा हैद्य इसी तरह के अनेक आसन में खतरों से निपटने के लिए आर्थिक विकास के नए मॉडलों को पर्यावरण के संतुलन के साथ जोड़ने का विकल्प हम सबके लिए एक जीवन उपयोगी मार्ग बनता नजर आ रहा हैद्य प्रकृति के असंतुलन दोहन का सर्वोत्तम उदाहरण यूरोप के विकसित देश है जिनकी पर्यावरण असंतुलन के प्रति उदासीनता की भयावह कीमत विकासशील तथा समुद्री क्षेत्रों में सीमावर्ती तथा अल्प विकसित देशों को चुकानी पड़ रही हैद्य हमें वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास को पर्यावरण संतुलन बनाने की दिशा में सामूहिक रूप से कारगर उपाय खोज कर संपूर्ण विश्व को ग्लोबल वार्मिंग और इसके गहरे परिणामों से सुरक्षित रखना होगा, विशेषकर उन अल्प विकसित एवं विकासशील राष्ट्रों को जिनकी जनसंख्या अग्रणी देशों में गिनी जाती है. पर्यावरण संतुलन तथा आर्थिक विकास के ढांचे को विकसित करने के लिए पर्याप्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध नहीं है।

संजीव ठाकुर

भारत मे लोकतांत्रिक तरीको से होता है सरकार विरोध

भारत धर्म प्राण राष्ट्र के रूप में जाना जाता है। संसार के लोगों की मान्यता है कि जितने महापुरुष भारतवर्ष ने दिये, उसका दशमांश भी दुनियाँ को अन्य राष्ट्र नही दे पाये। सभ्यता और मानव संस्कृति का सूर्योदय सर्वप्रथम भारत भूमि पर ही हुआ।

ज्ञान का उजाला सर्व प्रथम यहाँ फैला। यों भी सूर्योदय से पहले पूर्व दिशा ही आलोकित होती है, पश्चिम को बाद में ही प्रकाश मिलता है। हममें चेतना आई तो हमने स्वानुभूत ज्ञान विश्व में फैलाकर विश्व को भी प्रकाश दिया, उसे जगाया। आज सम्पूर्ण विश्व में ज्ञान का जो उजाला दिखाई दे रहा है, वह हमारे द्वारा ही फैलाया गया है। जैसे सूर्योदय से इस का अंधकार नष्ट हो जाता है, उसी प्रकार मनरूपी आकाश का अंधकार ज्ञान के सूर्य से नष्ट हो गया। जहाँ अज्ञान है, वहीं दुःख है। ज्ञान होने पर शोक चला जाता है। सारे विश्व में अज्ञानरूपी अंधकार के चले जाने पर संसार शोकरहित हो जाता है।जिस भारत ने विश्व को शोकरहित बनाने का प्रयास किया, ज्ञान का आलोक फैलाया,आज वही भारत विश्व पटल पर अपनी आभा बिखेर रहा है।हमने देखा है कि हमारे पड़ोसी देश किस तरह एक एक कर बिखर रहे है।पाकिस्तान, श्रीलंका और बांगलादेश में भयंकर नागरिक अशांति देखी है।सड़को पर विरोधी स्वरों और सरकार का तख्तापलट कर नेताओ को भागने के लिए मजबूर किया गया।भारत की खूबसूरती अलग है।पश्चिम के देशो में अशांति है।भारत मे सबसे महत्वपूर्ण बात श्रद्धा की है।श्रद्धा की ज्योति जगमगाती है तो सारे कार्य सहज और सुलभ होते चले जाते है।क्योकि विचार शुद्धि की नींव अध्यात्म का महल खड़ा हुआ है।दान,परोपकार और त्याग के महान भारत की नींव मजबूत है।क्योंकि अनेक भाषाओं का यह भारत वर्ष एकता और अखंडता की लौ जलाते हुए विश्व को धर्म और संस्कार से सींच रहा है।विदेशो में सैन्य शासक की सरकारे गिरा दी गई।दुनिया मे अशांति को देखते हुए लोगो के मन मे प्रश्न उभर रहा है कि क्या ऐसा भारत मे भी हो सकता है।ऐसा इसलिए नही होगा कि हमारी संस्कृति और सभ्यता ऐसे उपद्रव की इजाजत नही देती है।भारत विश्वगुरु बनने जा रहा है।इस देश मे धर्म को मानने वालो की संख्या करोड़ो में है।भारत ने साक्षी होकर विदेशी धरती की सरकारों का तख्तापलट होते देखा है।नेपाल की घटना तो महज पांच दिन पहले की है। युवाओ की भावना को अनदेखा करने से भड़की आग ने सरकार को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर दी।देखते ही देखते नेताओ के घरों को आग के हवाले कर दिया।लिहाजा,श्री लंका में 2022 में तत्कालीन रस्ट्रपति राजपक्षे को देश छोड़कर भागना पड़ा।क्योकि भीड़ उनके सरकारी आवास तक पहुंच गई थी।बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को भाग कर भारत मे शरण लेनी पड़ी थी।क्योंकि भीड़ ने उनको चारो तरफ से घेर लिया था।2022 में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अविश्वास प्रस्ताव हार गए थे।उनको जेल भेज दिया गया।इमरान खान की पार्टी कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान में हंगामा खड़ा कर दिया था।सड़को पर आग लगा दी थी।लेकिन अंततः उनकी एक नही चली।लोकतांत्रिक शक्तियां को उकसाया जाता है और उनके खिलाफ सरकार खड़ी होती है,तब यह आग विस्फ़ोट का काम करती है।इसलिए भारत मे जनता जनार्दन की उपमा दी गई है।जनता से ऊपर कोई नही है। कानून व्यवस्था चरमरा जाती है।भ्रष्टाचार की सारी हदें पार हो जाती है।

जनता त्राहिमाम पुकारती है,तब इस तरह की घटना सामने आती है।जनता कानून हाथ मे लेने के लीए मजबूर हो जाती है।हमारे देश मे भी सत्ता प्राप्ति के लिए अनेक षड्यंत्र हो रहे है,लेकिन भारत में कभी छीना झपटी की सोच विकसित नही होगी।भारत ने आजादी भी प्राप्त की थी तो अहिंसा और सत्याग्रह से प्राप्त की थी।ननतीजतन, तख्तापलट इस देश की विचारधारा नही है।नेपाल में शांति बहाली के अनेक प्रयास किये गए।2006 में शांति प्रस्ताव पर हस्ताक्षर होने के बाद नेपाल में स्थायी शांति स्थापित हो गई थी।लेकिन अभी हाल ही में सरकार को धूल चटाने के लिए मजबूर कर दिया गया।नेपाल में भी दस वर्षों तक उग्रवाद हावी रहा है।पड़ोसी देश पाकिस्तान में 1958 से ही विद्वेष की राजनीति चल रही थी।पाकिस्तान 30 से ज्यादा वर्षो तक सैन्य शासक के अधीन रहा है।प्रधानमंत्री को हटाकर मुसर्रफ सेनाध्यक्ष बन गए थे।पाकिस्तान में होना स्वाभाविक है।पड़ोसी देशों में एकसूत्रीय शासन का अभाव रहा है।इसके बाद पड़ोसी देश म्यांमार में 2021 में तख्तापलट हुआ।और निर्वाचन सरकार को सेना ने अपदस्थ कर दिया।बन्दूक के जोर पर अफगानिस्तान में तालिबानियों ने सरकार को हटा दिया गया।प्रधानमंत्री को रातो रात भागना पड़ा था।आज हम गर्व करते है कि हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था कितनी अच्छी है। भारत ऋषि मुनियों का देश है।यहां धर्म और संस्कारों की जड़े मजबूत है।लूटना भारत की परंपरा नही है।त्याग और परोपकार की भारत भूमि से पड़ोसी देशों को कुछ सीख लेनी चाहिए।आज पड़ोसी देशों में कोई रास्ट्रभक्ति और रास्ट्र निर्माण की बात करता है तो उसके पीछे षडयंत्र की बू आती है।पड़ोसी देश ही नही,यूरोपीय देश भी अशांत है।फ्रांस इसका ताजा उदाहरण है।

जिस तरह विदेशो में उपद्रव बढ़ रहा है उसको देखते हुए हम दुनिया से सूखी है।क्योंकि भारत के कण कण में भक्ति और श्रद्धा है।बचपन मे समर्पण का पाठ पढ़ने वाले भारतीय छीनने में भरोसा नही करते है।देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था दुनिया से बेहतर है।यहां की संस्कृति की विश्व के लिए मार्गदर्शन बनी हुई है।देश पर किसी भी दल का शासन क्यो नही हो,पर सभी की भावना रास्ट्र सेवा,जन सेवा की रहती है।देश मे कई सरकारे बदली है तो वो वोट की ताकत से बदली है।देश मे बड़े बड़े आंदोलन हुए है।नारे भी लगते है।दिल्ली चलो।लेकिन दिल्ली जाकर भी सरकार से मांग ही करते है।विविधता पूर्ण देश की खूबसूरती यह है कि अनेक धर्म और जातियां होने के बाद भी हम एकता और अखंडता की संस्कृति पाले हुए है।यूरोपीय देश भारत की संस्कृति की कई बार मिसाल देते है कि भारत नेअनेक धर्मो के लोग रहते है।अपने अपने त्यौहार मनाते है लेकिन कभी किसी भी त्यौहारो में कोई अड़चन खड़ी नही करते है।भारत की महान संस्कृति रही है।सनातन संस्कृति के अभिन्न अंग कहे जाने वाले सनातन परंपरा के दो धर्म जैन और बौद्ध के संतों की भारत मे कितनी महिमा है।हिन्दू धर्म महान धर्म है।विदेशो से अनेक धर्मावलंबियों ने भारत मे प्रवेश किया।लेकिन भारत ने कभी किसी का विरोध नही किया।ईसाई यहूदियों और मुसलमानों ने भारत मे प्रवेश किया।लेकिन भारत मे उनका कभी विरोध नही किया।क्योकि धर्म का सम्बल जीवन का बहुत बड़ा सम्बल है।भारतवासी जानते है कि धर्म अंतर में शांति और साहस का संचार करता है।धर्म की डगर पर चलने वाला कभी लक्ष्य से नही भटकता है। इसलिए भारत की परंपरा अतिथि देवो भव की रही है।क्योंकि धर्म से सदा उत्स की सौगात मिलती है।धर्म व्यक्ति को अपने आप मे जोड़ता है।इसलिए भारत लोकतंत्र की खूबसूरती से पड़ोसी देश भी सबक ले सकते है।

कांतिलाल मांडोत

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

नगराम पुलिस ने चोरी का किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार चोरी का मॉल बरामद

नगराम। लखनऊ, नगराम थाना क्षेत्र के अब्बास नगर में बीती रात को हुई चोरी के मामले का खुलासा करते हुए नगराम पुलिस ने मंगलवार को दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया।नगराम पुलिस ने जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर शिवनंदन इंटर कॉलेज के पास से दोनों को दबोचा गया।गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान संजय पुत्र इन्द्रप्रसाद निवासी अहमदपुर आजम अली मजरा शाह मोहम्मद पुर अपैया नगराम लखनऊ, और सतीश शर्मा पुत्र रामसनेही निवासी अहमदपुर मजरा शाह मोहम्मदपुर अपैया नगराम लखनऊ के रूप में हुई। नगराम पुलिस ने उनके पास से चोरी गया कीमती सामान बरामद किया, जिसमें तीन ठप्पे, एक सोने की अंगूठी, एक जोड़ी झुमके, एक चाँदी की करधनी, आठ पीस पायल, चाँदी की झुमकी, टूटा हुआ ताबीज, करधनी समेत अन्य चाँदी के जेवर और एक हजार रुपये नकद बरामद हुए है।पुलिस द्वारा पूछताछ में दोनों आरोपियों ने कबूल किया कि यही वो सामान है जिसे उन्होंने अब्बास नगर से चोरी किया था और नगद एक हजार रुपये पहले ही खर्च कर दिए।

नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम गठित की गई थी। मुखबिर की मदद से शीघ्र ही दोनों चोरों को पकड़ लिया गया है। इनके आपराधिक इतिहास की भी पड़ताल की जा रही है। दोनों को न्यायालय भेज दिया गया है। बरामदगी और गिरफ्तारी की कार्रवाई में उपनिरीक्षक अरविंद कुमार, कांस्टेबल आशीष यादव, कांस्टेबल नीरज सिंह व कांस्टेबल पंकज कुमार की अहम भूमिका रही।

महिला को मारपीट कर चोर गहने छीन, हुए चंपत

क्राइम

सिद्धार्थनगर। जिले के कपिलवस्तु कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत जमुहवा के टोला पंडितपुर में सोमवार की रात चारों ने एक घर को निशाना बना कर लूटपाट किया। ग्राम पंचायत जमुहवा के टोला पंडितपुर निवासी मोहम्मद अली की पत्नी को चारों ने मारपीट कर लहूलुहान कर दिया और चांदी, सोने के जेवरात को छीन कर चोर चंपत हो गए। पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी, पुलिस मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

राजकीय महाविद्यालय में आयोजित हुआ मौखिक क्विज

प्रतियोगिता छात्र- छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

सिद्धार्थनगर। राजकीय महाविद्यालय डुमरियागंज में मौखिक क्विज प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. रवीन्द्र प्रसाद मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर अजय कुमार ने विद्यार्थियों को मेहनत और अनुशासन का महत्व बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों की प्रतिभा निखरती है और उनमें आत्मविश्वास का विकास होता है। कार्यक्रम में वाद-विवाद, कविता पाठ, नृत्य, गायन तथा क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में अर्पिता विश्वकर्मा ने प्रथम स्थान, प्रिया सोनी ने द्वितीय स्थान और नंदिनी चौधरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में बीए प्रथम सेमेस्टर के 40 बच्चों ने प्रतिभाग किया।

अंत में प्राध्यापक रविंद्र प्रसाद मिश्र ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए शिक्षकों व छात्रों को धन्यवाद दिया। इस दौरान कार्यालय अधीक्षक महेश कुमार गुप्त, सफकुर्रहमान, मानिक राम वर्मा, अनिल ,अमन कुमार आदि मौजूद रहे।

बिजली कटौती और भारी बिल के खिलाफ किसानों ने किया धरना प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

माल। माल क्षेत्र में बिगड़ती बिजली व्यवस्था से परेशान किसानों ने मंगलवार को रामनगर पावर हाउस पर भारतीय किसान यूनियन (लोकतांत्रिक) संगठन ने जमकर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे और बिजली विभाग के खिलाफ खूब नारेबाजी की। धरने की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश सिंह चौहान ने की, जबकि संचालन जिला अध्यक्ष अतुल कुमार ने किया। राकेश चौहान ने कहा कि बिजली ग्रामीण इलाकों की सबसे बड़ी आवश्यकता है, लेकिन सरकार व विभाग की लापरवाही के चलते किसान सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। समय पर बिजली न मिलने और लगातार कटौती से सिंचाई कार्य ठप हो जाते हैं, जिससे किसानों की फसलें बर्बाद होने की कगार पर पहुँच जाती हैं।

धरने में मौजूद किसानों ने कहा कि बिजली का बिल अत्यधिक आ रहा है जबकि आपूर्ति बेहद कम और अनियमित है। किसानों का आरोप है कि विभाग वसूली तो समय पर करता है लेकिन बिजली उपलब्ध कराने में पूरी तरह नाकाम है। प्रदर्शन के अंत में किसानों ने अपनी समस्याओं को लेकर पावर हाउस के अधिकारियों को एक ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि बिजली आपूर्ति को तय समय पर सुनिश्चित किया जाए, अनावश्यक कटौती पर रोक लगे और किसानों पर अधिक बिल का बोझ न डाला जाए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश सिंह चौहान ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो संगठन व्यापक आंदोलन करने को बाध्य होगा। धरना प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में किसान शामिल हुए और एकजुटता का परिचय दिया। इस मौके पर पर तहसील अध्यक्ष अर्जुन सिंह, युवा प्रदेश अध्यक्ष राकेश अवस्थी दद्दू, तहसील मीडिया प्रभारी निखिल मिश्रा समेत संगठन के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सुहेलदेव पर ए आई एम आई एम नेता के बयान से भड़का गुस्सा, आज कल्याण मंच करेगा प्रदर्शन

मोहनलालगंज। ए आई एम आई एम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली द्वारा राष्ट्रनायक महाराजा सुहेलदेव को लेकर दिए गए विवादित बयान से क्षेत्र में आक्रोश फैल गया है। शौकत अली ने अपने एक बयान में महाराजा सुहेलदेव को लुटेरा बताया था, जिस पर राष्ट्रीय कल्याण मंच ने कड़ी आपत्ति जताई है।राष्ट्रीय कल्याण मंच के अध्यक्ष अनोद कुमार रावत ने कहा कि महाराजा सुहेलदेव ने आक्रांता सैयद सलार मसूद गाजी को परास्त कर देश की रक्षा की थी। उन्हें लुटेरा कहना न केवल गलत है बल्कि देशभक्तों का अपमान भी है।इसी मुद्दे पर मंच के कार्यकर्ता व पदाधिकारी बुधवार को दोपहर 12 बजे मोहनलालगंज रेलवे क्रॉसिंग से तहसील मुख्यालय तक विरोध प्रदर्शन करेंगे। राष्ट्रीय कल्याण मंच ने पत्रकारों से भी इस विषय पर सही तथ्य समाज के सामने लाने की अपील की है।

दर्दनाक हादसा- तेज़ रफ़्तार डंफर ने अधेड़ कुचला मौके पर मौत

● आक्रोशित ग्रामीणों ने घंटों जाम कर रखा सड़क मार्ग, जमकर किया प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली। सरेनी थाना क्षेत्र मंगलवार की सुबह तेज़ रफ़्तार डंफर ने अधेड़ को रौंद दिया उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की जानकारी पर भारी संख्या में ग्रामीण इक्कठा हो गए और आक्रोशित होकर मार्ग को जाम कर दिया मामले की जानकारी पर पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह मौके पर पहुंचकर पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को मौके पर बुलाएं जाने की मांग की कहां तभी मार्ग खुलेगा मामला बढ़ता देख भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंची और क्षेत्राधिकारी गिरिजा शंकर त्रिपाठी मौके पर पहुंचे और जाम खुलवाने का प्रयास किया लेकिन आक्रोशित ग्रामीणों को टस से मस नहीं कर पाए ग्रामीणों से कहा कि कल से सड़क की पैचिंग का काम शुरू कर दिया मार्ग का चौड़ीकरण हो जाएं।पुलिस ने परिजनों को समझा-बुझाकर शांत किया शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्षेत्र के चंद्रमणि खेड़ा गांव के रहने वाले ओमप्रकाश मिश्रा उम्र करीब 54 वर्षीय पुत्र स्वर्गीय दयाशंकर मिश्र मंगलवार सुबह घर से पैदल अपने ढाबे पर जा रहे थे जैसे ही वह भोजपुर ऊंचगांव मार्ग के चंद्रमणि खेड़ा चौराहे से चंद कदम आगे बढ़े तभी पीछे से आ रहे डंफर ने उन्हें रौंद दिया उनकी मौके पर मौत हो गई।इंस्पेक्टर रमेश चन्द्र यादव ने बताया कि शव को कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम रिपोर्ट को भेजा गया है। चालक और परिचालक पुलिस हिरासत में हैं।

मोहनलालगंज में लगेगा रक्तदान शिविर, पीएम मोदी के जन्मदिन पर भाजपा युवा मोर्चा का आयोजन

मोहनलालगंज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा की ओर से बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनलालगंज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष त्र्यंबक त्रिपाठी और भाजपा जिला अध्यक्ष विजय मौर्य मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। लखनऊ भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष धीरेंद्र पांडेय धीरू ने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों की सहभागिता रहेगी। उन्होंने कहा कि शिविर के माध्यम से अधिक से अधिक लोग रक्तदान कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाएंगे।सीएचसी प्रभारी डॉक्टर दिवाकर ने बताया कि रक्तदान शिविर के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सकती है, इसलिए हर किसी को इसमें उत्साहपूर्वक भाग लेना चाहिए।

लखनऊ में Agarwal Honda पर लॉन्च हुई ALL NEW HORNET 125 और SHINE 100 DX

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में Agarwal Honda, मल्हौर (Amity University के पास) पर दो नए टू-व्हीलर मॉडल ALL NEW HORNET 125 और SHINE 100 DX का भव्य अनावरण किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मा. वैष्णो देवी लॉ कॉलेज के श्री अजय राज अग्रवाल मौजूद रहे। इस विशेष अवसर पर Agarwal Honda के एम.डी. श्री चेतन अग्रवाल ऑनर श्री प्रदीप अग्रवाल और मैनेजर विपिन कुमार वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और नई बाइक्स की खूबियों के बारे में जानकारी दी।

लॉन्चिंग समारोह में श्री अजय राज अग्रवाल ने कहा कि आज उपभोक्ताओं के लिए किफ़ायती, आधुनिक फीचर्स और बेहतर परफॉर्मेंस वाले वाहन बेहद ज़रूरी हैं। ALL NEW HORNET 125 अपने दमदार इंजन और आकर्षक डिज़ाइन के चलते युवाओं की पसंद बनेगी, जबकि SHINE 100 DX अपनी किफ़ायती कीमत और शानदार माइलेज के साथ आम उपभोक्ताओं के लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित होगी।

इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्राहक, बाइक प्रेमी और स्थानीय लोग शामिल हुए। सभी ने नई बाइक्स की डिज़ाइन, तकनीकी खूबियों और परफॉर्मेंस की सराहना की। Agarwal Honda प्रबंधन का कहना है कि इन दोनों मॉडलों के लॉन्च होने से लखनऊ के टू-व्हीलर बाजार में ग्राहकों को ज्यादा विकल्प और बेहतर अनुभव मिलेगा।

17 सितम्बर से शुरू होगा "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार" अभियान

● महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण पर होगा जोर

पोषण अभियान के साथ चलेगा यह अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली, जनपद में 17 सितम्बर से दो अक्टूबर तक "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार" अभियान चलेगा। इसके तहत जिला अस्पताल, सभी सीएचसी, पीएचसी और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (आआम) पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन होगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चंद्रा ने कहा कि एक स्वस्थ महिला जहाँ स्वस्थ परिवार का निर्माण करती है वहीं एक स्वस्थ परिवार समाज को सशक्त बनाता है और यही मिलकर विकसित भारत की राह तैयार करते हैं। इसी के दृष्टिगत माननीय प्रधानमंत्री जी के पोषण, शारीरिक स्वास्थ्य और निवारक स्वास्थ्य सम्बन्धी आह्वान के अनुरूप, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देश पर "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार" अभियान चलाया जा रहा है जो कि पोषण अभियान के साथ चलेगा।

यह अभियान महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण पर आधारित है। इस अभियान का उद्देश्य रोगों की समय रहते पहचान आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुँच व परिवारों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

अभियान का शुभारम्भ जिला पुरुष चिकित्सालय में होगा और इस अवसर पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होगा जिसमें स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों सहित, आईसीडीएस, स्वास्थ्य जागरूकता के स्टाल लगेंगे। इसके साथ ही सभी सीएचसी, पीएचसी और आआम पर भी स्वास्थ्य शिविर लगेंगे। इसके अलावा अभियान के दौरान भी सीएचसी, पीएचसी और आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर स्वास्थ्य शिविर स्वास्थ्य शिविरों पर दी जायेंगी यह निःशुल्क सेवाएं-

- महिलाओं में गैर संचारी रोगों जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, ओरल, ब्रेस्ट एवं गर्भाशय के कैंसर की गहन जाँच होगी।
- किशोरियों एवं महिलाओं में एनीमिया की जाँच होगी।
- संवेदनशील महिलाओं की टीबी की जाँच होगी और निक्षय मित्र योजना के तहत उनका नामांकन किया जायेगा।
- गर्भवतियों की प्रसवपूर्व जाँच, हीमोग्लोबिन की जाँच, पोषण सम्बन्धी सलाह और तथा एमसीपी कार्ड(मदर चाइल्ड कार्ड) का वितरण किया जायेगा।
- गर्भवतियों एवं बच्चों को निःशुल्क टीकाकरण किया जायेगा।

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत लाभार्थियों का पंजीकरण तथा ई-कार्ड एवं आयुष्मान भारत हेल्थ एकाउंट(आभा) कार्ड का वितरण किया जाएगा। अन्य विभाग भी इसमें सहयोग करेंगे। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय तथा स्वयं सहायता समूहों के सहयोग से पोषण संवर्धन के तहत पौष्टिक आहार, एवं अन्नप्राशन सम्बन्धी सम्बन्धी परामर्श दिए जायेंगे। इसके अलावा अभियान के दौरान ब्लड डोनेशन कैम्प का भी आयोजन किया जायेगा। मासिक धर्म स्वच्छता, पोषण एवं मानसिक स्वास्थ्य पर भी जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

गर्भावस्था के शुरुआती दिनों में खतरे के लक्षण की पहचान जरूरी

● भनवापुर के सीएचसी सिरसिया में आयोजित शिविर में 131 महिलाओं का हुआ जांच 43 में मिली खून की कमी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। भनवापुर क्षेत्र के सीएचसी सिरसिया में मंगलवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में 131 गर्भवती महिलाओं को चिकित्सीय इलाज व परामर्श दिया गया,जिसमें से 25 गर्भवती महिलाओं में उच्च जोखिम के लक्षण पाए गये,43 गर्भवती महिलाओं में खून की कमी होने के कारण आयरन सुक्रोज की डोज दी गई।

अधीक्षक डॉ.शैलेंद्र मणि ओझा ने बताया कि गर्भावस्था के दौरान उच्च रक्त चाप,मधुमेह,फीटस के बेड़े होने,गंभीर एनिमिया,प्लेसेंटा का विकृत व नीचे होने से गर्भवती महिलाओं में जान का खतरा बना रहता है,इसलिए गर्भावस्था के दौरान सोनोग्राफी तथा चिकित्सीय परामर्श व इलाज बहुत जरूरी है।गर्भावस्था के शुरुआती दिनों में उच्च जोखिम वाले खतरे के लक्षण की पहचान जरुरी है,जिससे समय से चिकित्सीय प्रबंधन से जच्चा व बच्चा दोनो को सुरक्षित किया जा सकता है। अधीक्षक ने बताया कि गर्भावस्था के दौरान उच्च जोखिम के लक्षण पाए जाने पर कम से कम तीन बार चिकित्सीय सलाह जरूरी होता है। इस दौरान डॉ.पीएन पटेल, डॉ सिद्धार्थ जयसवाल, डॉ.अनवरू दीन, विनय कुमार भारती, अजय पांडे, ज्योति, प्रेम कुमार त्रिपाठी, रुपम पाठक, सविता मौर्या, अर्चना चौधरी, रेखा पांडे, कृष्ण गोपाल पांडे, रविंद्र कुमार, अश्वनी अग्रहरि, पूनम, आदि शामिल रहें।

पीपीपी मॉडल पर विकसित होगा सीएचसी नंदनगर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए विभाग ने नई पहल की है। अब स्वास्थ्य विभाग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नंदनगर को पीपीपी मॉडल (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) पर विकसित करेगा। एफआरयू (फर्स्ट रेफरल यूनिट) की तर्ज पर सीएचसी में चिकित्सक, स्वास्थ्य कर्मी व संसाधन बढ़ाए जाएंगे। इससे क्षेत्र के करीब 30 गांवों के डेढ़ लाख लोगों को फायदा मिलेगा। मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए शासन स्तर से प्रदेश के 15 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) को पीपीपी मॉडल के माध्यम से विकसित करने का निर्णय लिया गया है। इसमें जनपद का सीएचसी नंदनगर भी शामिल है। पीपीपी मॉडल पर निजी सेवा प्रदाता इस सीएचसी को 30 बेड के एफआरयू के रूप में विकसित करेंगे। सीएचसी को विशेषज्ञ चिकित्सक व आधुनिक संसाधनों से लैस किया जाएगा। प्राइवेट कंपनी से सीएचसी का संचालन होने से स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से सुधार होने की उम्मीद है।

वर्तमान में विशेषज्ञ चिकित्सकों की है कमी

सीएचसी में इस समय विशेषज्ञ चिकित्सक व कर्मचारियों की भारी कमी है। अस्पताल में बाल रोग, स्त्री रोग व हड्डी रोग विशेषज्ञ सहित एक्सरे टेक्नीशियन व स्टाफ नर्स आदि की तैनाती नहीं है। सीमित कर्मचारी व संसाधनों के सहारे लोगों को बेहतर सेवाएं देने का दावा स्वास्थ्य विभाग कर रहा है।

शासन के निर्देशानुसार होगी व्यवस्था

शासन के निर्देशानुसार सीएचसी को पीपीपी मॉडल पर विकसित किया जाएगा। प्राइवेट कंपनी द्वारा अस्पताल का संचालन शुरू करने से मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी।- डॉ. जावेद अख्तर, अधीक्षक सीएचसी नंदनगर

अफवाहों के शिकंजे में कानपुर, चोर बता किया कई को अधमरा- मुकदमे दर्ज

कानपुर। यह महानगर आजकल अफवाहों के शिकंजे में है ,जिसका संबंध चोरों की सक्रियता से है। इसी तरह की अफवाहों को लेकर लोग निर्दोषों को भी चोर बचाकर पीट रहे हैं। इस चक्कर में अब तक अनेक लोगों को अधमरा भी कर दिया गया है ,जिनमें से कई को अस्पताल में भी भर्ती कराया गया है। साथ ही अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ मुकदमे भी दर्ज किया जा रहे हैं। इसी क्रम में सजेती कस्बा में एक युवक को चोर समझकर स्थानीय लोगों ने पीट दिया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने युवक को अपने साथ ले गई है। प्राप्त विवरण के मुताबिक फतेहपुर जिले के जहानाबाद क्षेत्र के द्वारिकापुर निवासी विकास हमीरपुर में एक अधिवक्ता के चैंबर में काम करते हैं। बताया कि वह सजेती में रवि सचान के कमरे पर किराए में रहते हैं। घटना के समय वह टहल रहे थे कि इसी दौरान कुछ लोग चोर-चोर चिल्लाने लगे। वह कुछ समझाने का प्रयास करते कि लोगों ने पीटना शुरू कर दिया। बचने के लिए वह एक घर में घुसे तो वहां भी उसे पीटा गया। इसके बाद उन्हें पुलिस को सौंप दिया गया। सजेती इंस्पेक्टर अवधेश कुमार ने बताया कि पूछताछ के बाद उन्हें जाने दिया गया। पुलिस के अनुसार घटना की जांच भी की जा रही है जिसकी नतीजे के आधार पर अगली कार्रवाई की जाएगी। अवगत कराते चलने की यह घटना पहले नहीं है इसके पहले बर्रा, गोविंद नगर, महाराजपुर चकेरी समेत कई थाना क्षेत्र में भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं ,जहां लोगों को कर बताकर पीटा गया है।

विधायक ने वितरित किए टैबलेट

● ..... पॉलिटेक्निक छात्रों से किया वादा मार्च तक बन जाएगी सड़क- योगेश शुक्ला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बक्शी का तालाब लखनऊ उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण के तहत राजकीय पॉलिटेक्निक नगुवामऊ कला बख्शी का तालाब में बीकेटी विधायक योगेश शुक्ला की अध्यक्षता में टेबलेट वितरण का कार्यक्रम किया गया विधायक ने 90 छात्रों को टैबलेट वितरित किए विधायक ने संबोधन में कहा कि सरकार की ये बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है इससे युवा पीढ़ी को आज के डिजिटल युग में जोड़ने और उनकी पढ़ाई और उनके उज्जवल भविष्य में सरकार की टेबलेट वितरण योजना बहुत ही लाभकारी सिद्ध हो रहा है। विधायक ने पॉलिटेक्निक प्रशासन की मांग पर मंच से पॉलिटेक्निक जाने वाली सड़क का निर्माण मार्च तक कराने का बच्चों से वादा किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य डॉक्टर समीर सौरव, एडमिशन सेल हेड रमेश चंद्र सहाय, मनीष चौबे, अभिषेक पांडे, ओम प्रकाश, दिनेश वर्मा जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि, पूर्व मंडल अध्यक्ष गौरव सिंह चौहान, प्रधान विष्णु, प्रधान गुड्डू वर्मा, शिव मूर्ति, एडवोकेट अनुज सिंह के साथ पॉलिटेक्निक के शिक्षक सहित बच्चे उपस्थित रहे।

घाटमपुर में मां कुष्मांडा का विशेष मंदिर, एशिया का सबसे बड़ा सिद्धपीठ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर नगर/घाटमपुर में स्थित मां कुष्मांडा देवी मंदिर एशिया का सबसे बड़ा सिद्धपीठ हैं, यहां मां पिंडी स्वरूप में विराजमान हैं,इस पिंडी से निकलने वाला जल आंखों की समस्याओं को दूर करने में सहायक माना जाता है। मां कुष्मांडा की मूर्ति विश्व की एक मात्र चतुष्कोण वाली प्रतिमा हैं,इस मूर्ति के दो मुख हैं, और पिंडी ज़मीन पर लेटी हुई प्रतीत होती है, यहां मां को कुम्हड़े की बलि चढ़ाई जाती है,जो उनका प्रिय फल माना जाता है, आपको बताते चलें मंदिर का इतिहास 1330ई, में शुरु हुआ ,जब यहां छोटी सी मढिया बनाई गई,1890 ई, में एक व्यापारी ने इसका जीर्णोद्धार करवाया, मंदिर की खोज एक रोचक घटना से हुई,एक गाय रोज इस स्थान पर आकर दूध गिराती थी,गाय के मालिक ने जब पीछा किया तों खुदाई में मां की मूर्ति मिली।

मंदिर की एक विशेष परंपरा है कि यहां की पूजा अर्चना मालिन करती है,वे ही मां का श्रंगार करतीं हैं, वस्त्र पहनातीं है, और भोग लगातीं हैं, मंदिर की मालिन कमला देवी के अनुसार प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं, पंडित छुन्नू लाल शुक्ला बताते हैं कि मां कुष्मांडा की

उपासना से भक्तों को यश,बल, आरोग्य, और धन, वैभव की प्राप्ति होती है, विशेष रूप से छह महीने तक मां की पिंडी से निकलने वाले जल को आंखों में लगाने से आंखों में सुधार होता है।

चोरी की अफवाह का सच- भाई ही निकला भाई के घर नकब काटने वाला..

● वाल्टरगंज पुलिस ने खोला नकली नकबजनी का राज, भाईयों का अनाज चुराने वाला निकला घर का ही सदस्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के परशुराम पुर थाना क्षेत्र, दुबौलिया थाना क्षेत्र में हुई चोरी घटनाओं में जिस तरह घर के लोगों ने ही चोरी कर उसे चोरों द्वारा चोरी की घटना के रूप में प्रस्तुत किया था और बाद में जब उसका खुलासा हुआ तो सच सामने आया जिसमें घर वालों की ही संलिप्तता पाई गई थी7इस तरह थाना वाल्टरगंज पुलिस ने ग्राम बहेरिया में हुई एक कथित चोरी और नकबजनी की घटना का राजफाश करते हुए सच्चाई सामने ला दी। जांच में खुलासा हुआ कि घर में हुई नकली सेंधमारी किसी बाहरी चोर ने नहीं बल्कि घर के ही सदस्य सोनू कुमार ने खुद ही रची थी

गांव बहेरिया निवासी सोनू कुमार ने अपने ही घर में रखे अनाज–जिसमें उसके भाइयों का भी हिस्सा था–को चोरी करके दूसरे स्थान पर छिपा दिया। फिर घटना को छिपाने और भाइयों को हिस्सा न देने की नीयत से उसने घर की पिछली दीवार की कुछ ईंटें निकालकर सेंधमारी का आभास पैदा किया। ताकि यह लगे कि कोई बाहरी चोर नकबजनी करके अनाज ले गया।पुलिस की पूछताछ में यह भी सामने आया कि सोनू कुमार अनाज बेचकर पैसा अपने निजी खर्चों में करना चाहता था। साथ ही उसने गांव में यह अफवाह भी फैलाई कि उसके घर में चोरी हुई है।

पुलिस की कार्रवाई

थाना वाल्टरगंज पुलिस ने सोनू कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो पूरा सच सामने आ गया। पुलिस ने चोरी किए गए अनाज और सेंधमारी में इस्तेमाल सब्बल को बरामद कर लिया है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली पुलिस टीम

थानाध्यक्ष वाल्टरगंज, उ0 नि0 उमाशंकर त्रिपाठी, उ0नि0 ओमप्रकाश यादव, हे0का0 साहब प्रसाद, का0 सर्वदानन्द यादव, का0 रोहित यादव तमाम लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

चोरी की बिजली से रोशन हो रहा था ढाबा

-प्रवर्तन दल की टीम मारा छापा, 7 किलोवाट की चोर पकडी

मथुरा। चोरी की बिजली की से ढाबा रोशन हो रहा था। विद्युत प्रवर्तन दल की टीम ने छापामार कार्यवाही करते हुए चोरी पकडी। टीम ने आवश्यक कार्यवाही की है। मान सिंह पुत्र बदन सिंह निवासी ग्राम पानीगांव खादर, वृंदावन रोड पर थाना जमुनापार पर प्रवर्तन दल की टीम ने छामापार कार्यवाही की। यहां 7060 वाट की बिजली चोरी पकडी। स्थापित मीटर की इनकमिंग केबिल में कट लगाकर कट में अतिरिक्त दो काले व लाल रंग के अवैध तार सीधे कामर्शियल परिसर श्री खाटू श्याम फैमिली ढाबा में जोडकर बिजली चोरी की जा रही थी। कार्यवाही करने वाली टीम में जेई किशन कुमार सोनकर, हिमांशु चौधरी, अमरदीप, मोहित शर्मा, आरक्षी नितिश कुमार, अर्चना सिंह, आदि थे।

शिकायतों के चलते नहीं हो सका कब्बाली मेला

-चादर पोशी से मनाया सांवल शाह बाबा का उर्स

-कव्वालियों न होने से मुरीदों में छायी मायूसी

मथुरा। हजरत पीर बाबा मदनीशाह की याद में राया के मोहल्ला नई दिल्ली में दो दिवसीय उर्स मेला का आयोजन बाबा की मजार पर किया गया। साय को चादर जुलूस मोहल्ला पठान पाड़ा से प्रारंभ हुआ । नगर भ्रमण के दौरान बाबा की मजार पर पहुचा रात भर मजार पर चादर पोशी करने के लिये बाबा के मुरीदों की भीड़ लगी रही। लेकिन हर बर्ष की तरह उर्स मेला में गद्दी नसीन बाबा जिलानी शाह द्वारा उर्स मेला का आयोजन किया जाता था जिसमे दूर दराज से कब्बाल राया आते थे। देर रात्रि तक मेला में कब्बालियों का दौर चलता था। लेकिन इस स्थानीय लोगो के विरोध और प्रसाशन द्वारा अनुमति न देने के कारण कव्वालियों का आयोजन नही हो पाने से कब्बाली प्रेमियों में निराशा रही वही शांति सुरक्षा बनाये रखने के लिए नायब तहसीलदार मांट जितेंदर कुमार, थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कौशल, उपनिरीक्षक हरपाल शर्मा, उपनिरीक्षक राहुल गौतम,उपनिरीक्षक निशांत पायल सहित भारी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

राया में अग्रसेन जयंती महोत्सव का शुभारंभ कल

मथुरा। राया में श्री अग्रवाल सभा द्वारा संचालित अग्रसेन जयंती महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया जायेगा। शनिवार को पदाधिकारियों ने कार्ड का विमोचन किया। सभा के कोषाध्यक्ष प्रतुल गंगल ने जानकारी देते हुए बताया कि 18 सितंबर से आठ दिवसीय अग्रसेन महोत्सव हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रमो का शुभारंभ होगा जिसमें अग्र महिला सम्मेलन , प्रभात फेरी प्रतियोगिताएं बूगी बूगी डांस , मेहंदी प्रतियोगिताएं सांस्कतिक कार्यक्रम अग्रसेन जयंती अग्रसेन मेला आकर्षण का केंद्र रहेंगे। 22 सितंबर को सायं चार बजे सादाबाद मार्ग से महाराजा अग्रसेन की शोभायात्रा बैंडबाजों के साथ धूमधाम से नगर भ्रमण करेगी। जिसमे 18 राजकुमार और दर्जनों झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेगी। 24 सितंबर को सायं सात बजे कस्बे के गणेशबाग मैदान में अग्रसेन मेले का आयोजन किया जायेगा। जिसमे खान पान के अलावा विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया जायेगा। इस दौरान पूर्व पंचायत अध्यक्ष कृष्णकान्त अग्रवाल,मोहन नारायण अग्रवाल अग्रवाल सभा अध्यक्ष राकेश बंसल,पवन अग्रवाल, कमल अग्रवाल हरिमोहन अग्रवाल राजेश गोयल मुकेश अग्रवाल पंकज गुप्ता अमित अग्रवाल हेमेंद्र अग्रवाल आदि पदाधिकारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

राष्ट्रीय हनुमान दल कार्यकर्ता सम्मेलन में लिया भाग

मथुरा। मुरसान में आयोजित राष्ट्रीय हनुमान दल का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें सादाबाद, मुरसान, अलीगढ़, हाथरस के अलावा मथुरा जनपद के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। मथुरा मार्ग आयोजित कार्यक्रम में हनुमान दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित सिंह ने कहा कि हिदुओं को जातियों में बंटने से बचना होगा। उनका संगठन जात पात की करो विदायी सारे हिन्दू भाई भाई के नारे पर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के बाद मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर को लेकर आगे बढ़ेंगे । उन्होंने ब्रज क्षेत्र में मांस और अंडे की दुकानों पर प्रतिवंध की मांग की। इससे पूर्व प्रदेश महामंत्री डॉ नरेंद्र सिंह रावत जिलाध्यक्ष मथुरा रनधीर प्रधान का आयोजकों द्वार स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान कृष्णनन्द जी महाराज ओमहरि महाराज प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रदीप अग्रवाल अतर सिंह राजकुमार टीकाराम शर्मा देवेंद्र चौधरी भूपेंद्र सिंह हरिमोहन सोलंकी आदि मौजूद रहे। संचालन मुकेश अग्रवाल ने किया।

संदिग्ध ऑटो, ई रिक्शा चालकों पर पुलिस की टेढी नजर

●-मथुरा में पुलिस कर रही सभी ऑटो, ई रिक्शा चालकों का वेरिफिकेशन

-लगातार कई आपराधिक घटनाएं सामने आने के बाद पुलिस हुई सख्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। मथुरा वृंदावन में ई रिक्शा की लगातार बढ रही संख्या और शिकायतों के चलते पुलिस ने महानगर में चल रहे समस्त ई रिक्शा चालकों के सत्यापन की प्रक्रिया शुरू की है। हालांकि यह प्रक्रिया बहुत पहले से जनपद में लागू की गई थी लेकिन इसे लेकर अब पुलिस प्रशासन ने गंभीरता दिखाई है। मथुरा और वृंदावन में बाहर से घुसने वाले ऑटो और ई रिक्शा का भी सत्यापन किया जा रहा है। इसमें सभी ई रिक्शा और ऑटो के चालक का आधार कार्ड, फोटो, निवास प्रमाण पत्र आदि देखे जा रहे हैं। इसके बाद इन्हें एक स्टीकर दिया जाए रहा है जिसे ऑटो और ई रिक्शा के आगे वाले सीसा पर चस्पा करना होगा। इसमें चालक का फोन नम्बर भी होगा। यह भी तय किया जा रहा है कि ऑटो अथवा ई रिक्शा को वही चालक चलाएगा जिसका वेरिफिकेशन किया जा रहा है। दूसरा चालक चलाते हुए पाया गया तो नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। साथ ही ऑटो और ई रिक्शा के मालिकों को भी वेरिफिकेशन किया जा रहा है। हाल ही में ऑटो और ई रिक्शा चालकों द्वारा सवारियों के साथ की गई कुछ अपराधिक घटनाओं के बाद पुलिस इस मामले में सख्त हुई है। यमुना एक्सप्रेस वे पर लखउन की एक छात्रा के साथ ऑटो चालक द्वारा की गई बलात्कार की घटना के बाद इस मामले ने तूल पकडा है। इस घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। रात के समय ऑटो चलाने वालों पर पुलिस की नजर टेढी है। इस घटना से पुलिस की भी किरकिरी हुई है। यातायात पुलिस के द्वारा भूतेश्वर चौराहे पर आम आदमी की सुविधा के लिए ई रिक्शा एवं ऑटो चालकों का वेरिफिकेशन किया गया। इस तरह की कार्यवाही जगह जगह महानरग में तिराहे चौराहों पर की जा रही है।

बडी संख्या में नशे के आदी हैं ऑटो, ई रिक्शा चालक

ड्रिंक और ड्राइव भी बडी संख्या है। नशे की हालत में सडकों और ऑटो दौडाते हुए ड्राइवर मिल जांएगे। खास कर शाम के और रात के समय इनकी संख्या अधिक रहती है। ऐसे में सवारियों और बाहर से आये श्रद्धालुओं के लिए समस्या पैदा हो सकती है। कई बार ऐसे चालक सडक हादसों की वजह भी बनते हैं।

फिटनेश में खेल, विभागों में तालमेल का अभाव

ऑटो और ई रिक्शा की फिटनेस में भी एआरटीओ विभाग का दूसरे विभागों के साथ तालमेल नहीं बैठ पता है। सीएनजी और बैट्री चालित वाहनों में आगजनी की घटनाएं होने की संभावना बनी रहती है। वाहनों की फिटनेस में अग्निशमन जैसे विभागों की भी सहभागिता रहती है लेकिन एआरटीओ की ओर से इन विभागों को इस कार्य में शामिल नहीं किया जाता है। शायद ही किसी ऑटो और ई रिक्शा में आगजनी की घटना से निपटने के लिए अनिवार्य और आवश्यक उपकरण मौजूद मिले।

ऊंचा गांव में लगाया निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

मथुरा। ब्रजवासियों और ब्रज में आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा को समर्पित संस्था श्री राधारानी रसोई बरसाना धाम के सौजन्य से ललिता सखी के गांव ऊंचागांव में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाकर बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण कर उन्हें दवाएं प्रदान की गईं। बरसाना के समीप ऊंचागांव के दाऊजी मंदिर परिसर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया। शिविर का आयोजन श्री राधारानी रसोई बरसाना धाम संस्था के द्वारा किया गया। शिविर में बारह वर्ष की उम्र तक के 170 बालक बालिकाओं की निशुल्क जांच की गई। जांच के बाद बच्चों को जरूरत के अनुसार दवाएं और फूड सप्लीमेंट्स दिए गए। संस्था के संचालक ब्रजसेवी हरीश चंद्र कोहली ने बताया कि उनकी संस्था बरसाना और अष्टसखियों के गांवों में इस तरह के शिविरों का आयोजन करते हैं। यह सातवां शिविर था। संस्था निःशुल्क रसोई संचालित करती है जिससे प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु लाभान्वित होते हैं। इस अवसर पर ब्रजाचार्य पीठाधीश उपेन्द्र नारायण भट्ट, प्रवक्ता घनश्यामराज भट्ट, दिलीप भट्ट, ललित भट्ट, तुरण्य शर्मा, बनवारी लाल गर्ग, दीपक गर्ग, विशाखा, सन्दीप, अंकुर कोहली, नेहा माता , सुधीर बवेजा, दीपा चड्ढा, ज्योति अग्रवाल, विवेक, राज, रोहित, मितुल, राजेश, रूपा, कन्हैया आदि उपस्थित रहे।

परम पूज्य सतगुरुदेव श्री सतपाल जी महाराज जी का पावन जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साहपूर्वक मनाया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रदीप यादव

दिल्ली पटेल नगर परम पूज्य सतगुरुदेव श्री सतपाल जी महाराज जी का पावन जन्मोत्सव मध्य दिल्ली की सभी शाखाओं के संयुक्त सहयोग से एक सद्भावना सत्संग समारोह के रूप में अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।इस आयोजन का उद्देश्य था सतगुरुदेव महाराज जी के पावन जन्मोत्सव को प्रेम, सहयोग और सद्भावना के वातावरण में मनाना। कार्यक्रम, प्रेमियों एवं कार्यकर्ताओं की एकजुटता और परिश्रम से समयानुसार और सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियाँ-

प्रभात फेरी श्री विजय वर्मा व सेवा दल के स्वयं सेवकों के नेतृत्व में सम्पन्न हुई आयोजन में नाश्ता एवं प्रसाद व्यवस्था श्री परमानन्द जी के सहयोग से सुचारु रूप से हुई। स्टेज संचालन श्री मोहन लाल व श्री दीन दयाल गोयल जी द्वारा किया गया।सद्भावना सत्संग महात्माओं ने प्रेरणादायी विचार साझा किए। सत्संग प्रेमियों ने महात्माओं का प्रेरणादायक विचार सुनकर हर्षित हुए! पूज्य बाई जी व महात्माओं का स्वागत शाखाओं के कार्यकर्ताओं के द्वारा किया गया।माननीय अतिथियों का स्वागत जिला प्रधान श्री रामभज गुप्ता व केंद्रीय समिति के पर्यवेक्षक श्री दीन दयाल गोयल जी द्वारा किया गया।माननीय मेहमान श्री राज कुमार आनंद जी का संबोधन के पश्चात आरती हुई। आरती के बाद प्रसाद वितरण बहुत ही आदर के साथ किया गया।

इस पावन अवसर पर राजकुमार आनन्द पूर्व कैबिनेट मंत्री दिल्ली सरकार, जिला सचिव हितेंद्र कुमार, दिनेश पोरवाल, सर्वेश मिश्रा, शेष राम पांडेय, सुधीर पांडे, पीयूष मदनपाल राकेश पाण्डेय अंकित पांडेय विनीत पाठक, व शाखा पटेल नगर मध्य दिल्ली की अन्य सभी शाखाओं के कार्यकर्ता और सत्संग प्रेमियों ने तन-मन-धन से सहयोग किया। आयोजकों ने सभी सहयोगियों का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया और कहा कि इसी एकता व सेवा-भाव से कार्यक्रम सफल एवं यादगार बना।

सिलापथार मॉडल हॉस्पिटल में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना के अंतर्गत सीसीबरगाँव विधानसभा क्षेत्र के सिलापथार मॉडल अस्पताल परिसर में खुले गए। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र को लखीमपुर लोकसभा चुनावी क्षेत्रों के सांसद प्रधान बरुवा ने उद्घाटन किया। उद्घाटन कर सांसद ने एक जनसभा को संबोधित करते कहा- प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र वह स्थान है जहाँ आम जनता कम दामों पर जेनेरिक दवाइयाँ खरीद सकती है। गरीब, मध्यम वर्ग और आम लोग जन औषधि केंद्रों से जीवनदायी दवाइयाँ खरीदकर लाभान्वित हो सकते हैं ओर लोगों से इस दवाई केंद्र से आकर दवाइयाँ खरीदने की आह्वान किया। उद्घाटन कार्यक्रम में संयुक्त स्वास्थ्य सेवा अधिकारी डॉ. जगत मोहन प्रसाद, सिलापथार मॉडल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. फ़रीद कमान, धेमाजी जिला परिषद अध्यक्ष भूपेन चुटिया, सिलापथार नगर पालिका की महापौर लावण्या पाईठ दले, प्रमुख समाजसेवी गंगा पेगु, गिरिन चुटिया, प्रमुख चिकित्सक डॉ. धर्मकांत देउरी सहित कई गणमान्य व्यक्ति इस बैठक में उपस्थित थे।

सौंख रोड व्यवसाय समिति के पदाधिकारियों को किया सम्मान

मथुरा। सौंख रोड व्यवसाय समिति के द्वारा रोड व्यवसाय समिति के सभी पदाधिकारियों को समिति के अध्यक्ष संतोष चौधरी के प्रतिष्ठान पर स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। यह सम्मान उनके द्वारा व्यापारियों की नेम प्लेट वितरण करने पर किया गया। इस अवसर पर संगठन को मजबूत करते हुए दिनेश खंडेलवाल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष घोषित किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष संतोष चौधरी,महामंत्री मुनेश कुमार गर्ग, महामंत्री अजीत गौतम, कोषाध्यक्ष गोविंद अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भरत लाल वशिष्ठ व दिनेश खंडेलवाल, उपाध्यक्ष एमपी सिंह, सहमंत्री कन्हैयालाल गर्ग,संगठन मंत्री ठाकुर देवेंद्र सिंह व सुरेश सेठ उसपार वाले, प्रचार मंत्री वसीम भाई फर्नीचर वाले, मीडिया प्रभारी देवेंद्र प्रदीप अन्य पदाधिरी थे।

शिक्षा की नई सुबह, स्ट्रीट स्कूल का नया केन्द्र शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। मथुरा में जस्टिस फॉर चिल्ड्रन स्ट्रीट स्कूल का मां वैष्णो देवी धाम कालोनी में नया केंद्र शुरू किया है। झुग्गियों से निकलकर शिक्षा की मुख्यधारा की ओर जस्टिस फॉर चिल्ड्रन स्ट्रीट स्कूल निःशुल्क शिक्षा केंद्र का यह प्रयास है। गरीबी और मजबूरी की जंजीरों में जकड़े जिन बच्चों ने कभी किताबें हाथ में लेने का सपना भी नहीं देखा था, उनके जीवन में अब शिक्षा की नई किरण जगमगाने लगी है। जस्टिस फॉर चिल्ड्रन एंड वीमेन सोसायटी (पंजीकृत) ने मां वैष्णो देवी धाम कॉलोनी, मथुरा में एक और स्ट्रीट स्कूल निःशुल्क शिक्षा केंद्र की शुरुआत कर इन बच्चों को अज्ञानता के अंधकार से निकालने का प्रयास किया है। संस्था के संस्थापक और समाजसेवी सतीश चंद्र शर्मा ने बताया कि संस्था की शुरुआत वर्ष 2008 में हुई थी और तब से यह अभियान लगातार चल रहा है। ÷हमारा सपना है कि कोई भी बच्चा झुग्गी झोपड़ी में रहने के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। शिक्षा ही उनके जीवन की दिशा और दशा बदल सकती है। वर्तमान में संस्था द्वारा मथुरा में चार निःशुल्क स्ट्रीट स्कूल केंद्र कृ लाजपत नगर, पन्ना पोखर, गोपाल नगर एवं मां वैष्णो देवी धाम कॉलोनी कृ संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से 350 से अधिक बच्चे शिक्षा, संस्कार और समाज की मुख्यधारा से जुड़ चुके हैं। नए केंद्र की कॉर्डिनेटर श्रीमती गौरा वर्मा को नियुक्त किया गया है, जबकि उद्घाटन कार्यक्रम का संचालन कुमारी तनु चौहान ने किया। स्थानीय नागरिकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में हुए इस कार्यक्रम में सभी ने एक स्वर में कहा कि ऐसे प्रयास ही समाज में वास्तविक परिवर्तन ला सकते हैं। सतीश चंद्र शर्मा ने भावुक होते हुए कहा हर किताब एक दीपक है और हर पढ़ने वाला बच्चा समाज की अंधेरी गलियों को रोशन करने वाला सितारा। हमारा संकल्प है कि मथुरा की गलियों में कोई भी बच्चा निरक्षर न रह जाए।

गेट डे के साथ जेसी वीक का रंगारंग समापन

●-ऑपरेशन सिंदूर और उसका भारत पर प्रभाव विषय पर हुई वाद विवाद प्रतियोगिता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। जेसीआई मथुरा सिटी द्वारा आयोजित जेसीआई वीक 2025 के अंतिम दिन स्थानीय होटल में ग्रेट डे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक रंगारंग सांस्कृतिक संध्या और पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन भी किया गया। इस कार्यक्रम में जोन स्तर से चल रहे विशेष अभियान ऑपरेशन सिंदूर के तहत ऑपरेशन सिंदूर और उसका भारत पर प्रभाव विषय पर महिला सदस्यों और बालिकाओं के बीच वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कन्हैया लाल अग्रवाल जिला अध्यक्ष विश्व हिन्दू संगठन और विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे डॉ. रितेन गोयल, नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ रहे। साथ ही कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक अध्यक्ष राजेश गोयल भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। तत्पश्चात अध्याय की महिला सदस्यों द्वारा गणेश वंदना पर एक मनमोहक पारंपरिक नृत्य प्रस्तुति दी गई, जिसने सभी दर्शकों का मन मोह लिया।

इस शानदार कार्यक्रम का संचालन जेसी नवनीन अग्रवाल ने बहुत ही आकर्षक अंदाज़ में किया। अध्याय अध्यक्ष जेसी गुलशन खंडेलवाल ने जेसीआई वीक के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी सदस्यों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त पूरे सप्ताह भर सक्रियता से जुड़े सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जेसीआई वीक 2025 की एक संक्षिप्त समीक्षा भी अध्याय अध्यक्ष द्वारा सभा के समक्ष प्रस्तुत की गई। साथ ही सभी पूर्व अध्यक्षों का सम्मान पटका पहनाकर किया गया। एक विशेष सम्मान कमल पत्र से जेसी नवीन अग्रवाल को सम्मानित किया गया, जो कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा। अंत में मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि द्वारा अपने विचार व्यक्त किए गए। अध्यक्ष द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर संस्था की स्मृतियों को संजोए रखने की अपील की गई। कार्यक्रम में आए मीडिया प्रतिनिधियों को भी पटका पहनाकर एवं उपहार भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन अध्याय सचिव जेसी अखिलेश गौतम द्वारा किया गया। इस अवसर पर हिमांशु गोयल, विकास अग्रवाल, राधारमण अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, सुशील अग्रवाल सहित कई गणमान्य सदस्य एवं अतिथि उपस्थित रहे।

रसखान समाधि स्थल पर फिर बिखरेंगे सांझी के अदभुत रंग

●- उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के बैनर तले 17 सितंबर से होगा सांझी महोत्सव का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के बैनरतले अब कृष्ण भक्त रसखान के समाधि स्थल पर सांझी के अदभुत रंग देखने को मिलेंगे। 17 से 21 सितंबर तक समाधि स्थल पर सांस्कृतिक एंव सांझी कला का अदभुत प्रदर्शन सांझी महोत्सव के रूप में होने जा रहा है। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीईओ श्याम बहादुर सिंह ने बताया कि जीएलए विश्वविद्यालय के सहयोग से पांच दिवसीय सांझी महोत्सव का आयोजन रमणरेती महावन स्थित रसखान समाधि स्थल पर होने जा रहा है। इस परम्परागत आयोजन में जहां विभिन्न क्षेत्र से आ रहे कलाकार अपनी सांझी कला का प्रदर्शन करेंगे तो दूसरी ओर सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। सीईओ श्याम बहादुर सिंह ने बताया कि 17 से 21 सितंबर तक पूर्वाहन 11 बजे से शाम पांच बजे तक सांझी कला देखने को मिलेगी। इसमें खुशबू उपाध्याय, श्रुति यादव द्वारा कैनवास पर बनाई सांझी का प्रदर्शन देखने को मिलेगा। विश्वजीत, ब्रज गोपाल गुप्ता, रुमा, कनक सूखे व गीले रंग की सांझी बनाएंगे। कमलेश्वर ग्रुप द्वारा पोट्रेट व रंगोली सांझी तथा सुनीता द्वारा गोबर सांझी बनाई जाएगी। खजानी वेल्फेयर सोसायटी रंगोली और दक्ष एजुकेशन इंस्ट्रयूट द्वारा घरेलू उपयोग सामग्री से बनी सांझी का प्रदर्शन किया जाएगा। सीईओ श्याम बहादुर सिंह ने बताया कि सांझी प्रदर्शन के पश्चात शाम पांच बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इसमें पहले दिन 17 सितंबर को डा केसी धाकड़ ग्रुप द्वारा भजन और सुश्री चेतना शर्मा का कथक, 18 सितंबर को ब्रज भाषा कवि सम्मेलन होगा। इसमें राधा गोविंद पाठक, डा सत्य प्रकाश, अटल चतुर्वेदी, केसी गोड, अशोक यज्ञ, अर्चना चतुर्वेदी काव्य पाठ करेंगे। 19 सितंबर को राधाचरण का गायन, ब्रज की सांझीकला पर गोष्टी होगी। 20 सितंबर को सांझी नौटंकी मंचन गीता शोध संस्थान वृंदावन द्वारा होगा। 21 सितंबर को लोक गीत, जिकड़ी भजन का आयोजन श्यामवीर संगीत ग्रुप, नम्रता व मोहिनी द्वारा किया जाएगा।

वृंदावन शोध संस्थान ने सांझी महोत्सव में संस्कृति संरक्षण पर दिया जोर

●-हिताचार्य पीठ में पुष्प, रंग व जल साँझी प्रस्तुतिकरण पर हुई संगोष्ठी

-सांझी से होती है मनोवांछित फल की प्राप्तिरू चन्द्रप्रकाश शर्मा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। वृंदावन शोध संस्थान एवं श्री राधावल्लभ सेवा ट्रस्ट द्वारा वंशी अवतार श्रीहित हरिवंश महाप्रभु की जन्मस्थली हिताचार्य पीठ श्रीजी मंदिर बाद ग्राम में साँझी महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्रसोपासना में साँझी का स्वरूपश् विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजित की गई, जिसमें ब्रज की पारंपरिक कला साँझी के संरक्षण और संवर्धन पर जोर दिया गया। समारोह में कई कार्यक्रम हुए, जिसमें पुष्प, रंग और जल साँझी का प्रदर्शन, समाज गायन और वृक्षारोपण आदि कार्यक्रम शामिल थे। संगोष्ठी में विधायक श्रीकांत शर्मा ने वृंदावन शोध संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ब्रज की इस पारंपरिक कला को बचाने के लिए नई पीढ़ी को आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि साँझी ब्रज की पहचान है और इसे जीवित रखना हमारा कर्तव्य है।

इस अवसर पर डॉ. चंद्रप्रकाश शर्मा ने बताया कि सांझी कला, संगीत और साहित्य का अद्भुत संगम है। उन्होंने कहा कि इसकी उपासना से मनवांछित फल की प्राप्ति होती है और श्रीराधावल्लभ सेवा ट्रस्ट का सहयोग संस्कृति के संरक्षण में सराहनीय है। आचार्य सुकृतलाल गोस्वामी ने साँझी को एक पर्यावरण अनुकूल उत्सव बताया, जिसमें वन वृंदावन में आसानी से मिलने वाली प्राकृतिक सामग्री का इस्तेमाल होता है। उन्होंने कला के साथ साथ इसमें निहित भावनाओं के महत्व पर भी प्रकाश डाला। साँझी महोत्सव में बड़ा रासमण्डल के श्रीमहंत लाड़िलीशरण महाराज ने आशीर्वचन दिए। कार्यक्रम की शुरुआत समाज गायन से हुई, जिसके उपरांत गिरीश पाठक द्वारा अष्ट सखी तारा मंडल में राजभोग सेवा, मानिनी राधा और श्रीहित हरिवंश महाप्रभु की पुष्प, रंग और जल साँझी का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर सिंहपौर मंदिर के महंत सुन्दरदास महाराज, महामंडलेश्वर रामस्वरूप ब्रह्मचारी महाराज, हिताचार्य पीठ के महंत दम्पति शरण महाराज, विधायक श्रीकांत शर्मा, सुनील सिंह, ब्रजेश पुजारी, गोपाल पुजारी, दिव्या शर्मा, साक्षी वत्स, मीडिया प्रभारी दिनेश सिंह तरकर सहित सैकड़ों लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

उर्स मेला देखने के दौरान दो पक्षो में जमकर चले ईंट पत्थर

●-राया में रात के समय हुए झगडे में आधा दर्जन घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। राया कस्बे के मोहल्ला व्यापारी में सोमवार की रात्रि उर्स मेला देखने के दौरान दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि जमकर मारपीट हुई। इस दौरान दोनों तरफ से पथराव होने से अफरा तफरी मच गयी। इस स्थानीय लोगों ने बताया घटना के दौरान आधा दर्जन लोग घायल हुए है। जिन्हे सूचना पर पहुंची पुलिस ने उपचार के लिए हॉस्पिटल भेज मामले को शांत किया। थाना प्रभारी अजय कौशल ने बताया कि झगड़ा बच्चों बच्चों में शुरू हुआ था। जिससे मामला तूल पकड़ गया। फिलहाल पीड़ित पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

प्रार्थना पत्र मिलने पर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला रानी ने आरोप लगाया कि इमाम मेंबर अपने साथ लड़कों को लेकर आया और सोहेल, बिहारी, मोना व इमरान के साथ मारपीट की। उन्होंने यह भी बताया कि दबंगों ने उनके मकान और आसपास के लोगों पर ईंटें फेंकी, जिससे कई लोग घायल हुए। झगड़े की सूचना पर इलाका पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। थाना प्रभारी अजय कौशल ने बताया कि झगड़ा बच्चों बच्चों में शुरू हुआ था, जिससे मामला तूल पकड़ गया। फिलहाल पीड़ित पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुटी है।